Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 22 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 21 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

हम आरबीआई के अधिकारी हैं', बेंगलुरु में बदमाशों ने रुकवाई कैश वैन; 7 करोड़ लूटकर फरार

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में दिनदहाड़े डकैती की वारदात सामने आई है। एक गिरोह ने एटीएम में कैश जमा करने के लिए नकदी ले जा रहे वाहन से 7.11 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। शहर में वाहनों की जांच तेज कर दी गई है। यह घटना साउथ एंड सर्कल के पास हुई। कर्मचारी एटीएम में नकदी डालने ले जा रहे थे, तभी इनोवा कार में सात-आठ बदमाश वहां पहुंचे। उन लोगों ने खुद को आरबीआइ का अधिकारी बताकर नकदी प्रबंधन टीम को धमकाया।

उन्होंने बंदूकधारी और अन्य कर्मचारियों को गाड़ी से बाहर निकाल दिया। वे चालक को डेयरी सर्कल की ओर ले गए और फ्लाईओवर पर गाड़ी रोक दी। वहां लुटेरों ने नकदी अपनी इनोवा कार में रखवा ली और मौके से फरार हो गए।

कैश वैन के कर्मचारियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। गाड़ी में ड्राइवर, दो बंदूकधारी और एक कैश लोडिंग स्टाफ मौजूद था। अपराधियों ने बंदूकधारियों और कैश लोडिंग स्टाफ को अपनी इनोवा कार में बिठा लिया। दो आरोपित ड्राइवर के साथ वाहन में थे, जबकि बाकी इनोवा में थे। तीनों को थोड़ी दूर ले जाकर कार से उतार दिया गया। डेयरी सर्कल फ्लाईओवर पर गिरोह ने वाहन से निकालकर नकदी अपनी कार में डाल ली और फरार हो गए। गिरोह ने लूट के लिए नकली नंबर प्लेट का इस्तेमाल किया था।

पंजाब डीजीपी ने गुरु तेग बहादुर शहादत दिवस से पहले सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

आनंदपुर साहिब । सिखों के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत दिवस कार्यक्रम के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को आनंदपुर साहिब का दौरा किया और सुरक्षा, सुविधा, और यातायात प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा की।

गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर सुरक्षा, सुविधा और यातायात व्यवस्था का जायजा लेने के लिए आनंदपुर साहिब का दौरा किया। मैंने सभी पर्यवेक्षी अधिकारियों को दक्षता और सहानुभूति के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया। डीजीपी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुचारू और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ, एक समन्वित सुरक्षा और भीड़-प्रबंधन योजना लागू की गई है। ग्राउंड टीमों की सहायता में निर्बाध प्रवाह बनाए रखने के लिए स्मार्ट निगरानी और रीयल-टाइम ट्रैफिक सिस्टम सक्रिय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस अवसर की पवित्रता के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के साथ काम करने का निर्देश दिया गया है और एक सहज अनुभव के लिए हेल्प डेस्क, सुविधा केंद्रों और निगरानी डैशबोर्ड की व्यवस्था की गई है। पंजाब पुलिस सम्मान, अनुशासन और करुणा के साथ सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आनंदपुर साहिब में 23 से 25 नवंबर तक भव्य स्मारक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, और इसमें दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। डीजीपी ने कहा कि कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से 25 सेक्टरों में विभाजित किया गया है।

भगवान बिरसा मुंडा ने जनजातीय स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी: राज्यपाल डेका

आदिवासी परिवारों को शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और विकास के मिल रहे नए अवसर : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

अम्बिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस का कार्यक्रम आयोजित

रायपुर(समय दर्शन)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'आदि कर्मयोगी अभियान', 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' तथा 'प्रधानमंत्री जनमन अभियान' को जनजातीय समाज के उत्थान हेतु महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये सभी योजनाएँ देश के करोड़ों आदिवासी परिवारों को शिक्षा, आजीविका, स्वास्थ्य और विकास के नए अवसर प्रदान कर रही हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु आज अम्बिकापुर में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है, और इसकी झलक बस्तर की 'मुरिया दरबार' जैसी जनजातीय परंपराओं में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा की जनजातीय विरासत अत्यंत समृद्ध और आपस में जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति भवन में 'जनजातीय दर्पण' संग्रहालय की स्थापना की गई है, तथा वहां आदिवासी कला और संस्कृति को विशेष स्थान दिया गया है। राष्ट्रपति

ने अपने सम्बोधन में छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव पखवाड़ा मनाने, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय बनाने और शासकीय योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि दिल्ली में आयोजित 'आदि कर्मयोगी' राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के आदिवासी विकास विभाग को उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस अपनी पहचान, सांस्कृतिक विरासत और उन वीर पूर्वजों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने जनजातीय इतिहास को गौरवशाली अध्यायों से भर दिया। समारोह में उपस्थित देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का सम्मान करते हुए राज्यपाल ने कहा कि एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुँचने की उनकी प्रेरक यात्रा पूरे भारत के लिए उदाहरण है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने उनके व्यक्तित्व और संघर्ष के कई प्रेरक प्रसंगों को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने नशाखोरी, अन्याय और अंधविश्वास के खिलाफ साहसिक अभियान चलाया। उनके नेतृत्व में हुआ 'उलगुलान' ब्रिटिश शासन को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक आंदोलन था, जिसने जनजातीय स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, राजा गेंद सिंह, कंगला मांझी, वीर सीताराम कंवर और गुंडाधुर जैसे महानायकों ने अपने बलिदान और संघर्ष से स्वतंत्रता आंदोलन और जनजातीय गौरव को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। उनका योगदान प्रदेश की स्मृतियों में सदा अमर रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि राष्ट्रपति जी ने अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद इस समारोह में शामिल होकर प्रदेश की गरिमा बढ़ाई है। कुछ दिन पूर्व नक्सल पीड़ित परिवारों से राष्ट्रपति की भेंट का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रत्येक पीड़ित से आत्मीयता से हाल-चाल जानकर अपनी ममतामयी छवि प्रस्तुत की।

पूवर्ती में टॉप नक्सली लीडर हिडमा का अंतिम संस्कार

एक ही चिता पर जलाया गया माडवी और पत्नी राजे का शव, अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़,

सुकमा (समय दर्शन)। मुठभेड़ में मारे गए टॉप नक्सली लीडर माडवी हिडमा और उसकी पत्नी राजे का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। एनकाउंटर के 2 दिन बाद दोनों का शव आज सुबह उनके गृहग्राम पूवर्ती पहुंचते ही गांव में मातम पसर गया।

ग्रामीणों और परिचितों की सैकड़ों की भीड़ अंतिम यात्रा में शामिल हुई। हिडमा और उसकी पत्नी के शव को गांव के मुख्य मार्ग से होकर श्मशान घाट तक ले जाया गया। विशेष बात यह रही कि दंपति को एक ही चिता पर अग्नि दी गई, इस दौरान ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। बता दें कि 18 नवंबर को आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने टॉप नक्सली लीडर माडवी हिडमा और उसकी पत्नी राजे समेत 6 नक्सलियों को मार गिराया था।

हिडमा की मौत के बाद उसके गांव पूवर्ती में मातम पसरा हुआ था। वहीं हिडमा की मां ने पुलिस से भावुक अपील करते हुए कहा था कि मैं बूढ़ी हो चुकी हूंज अपने बेटे का शव नहीं ला सकती। पुलिस मेरे बेटे का शव गांव ले आए, ताकि मैं अंतिम संस्कार कर सकूं। वहीं आज सुबह हिडमा के परिजन उसका और उसकी पत्नी का शव लेकर पूवर्ती गांव पहुंचे, जहां एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

हिडमा कई बड़े नक्सल घटनाओं में शामिल रहा है। झीरम, बीजापुर और बुर्कापाल हमले का नेतृत्व भी हिडमा ने ही किया था। वहीं दंतेवाड़ा हमला भी हिडमा के नेतृत्व में हुआ था, इस हमले में 76 जवान शहीद हुए थे। इस हमले के बाद से संगठन में हिडमा की हैसियत बढ़ गई। कहा जाता है कि 2019 में रमन्ना की मौत के बाद हिडमा को नक्सलियों का शीर्ष कमांडर बना दिया गया था।

ए एम/एन एस इंडिया की दोहरी पहलः गाँवों में स्वास्थ्य और शिक्षा को मिली नई उड़ान

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने अपने सीएसआर के तहत एक ही दिन में स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में सराहनीय कदम उठाए।

मदकामिरास ग्राम पंचायत में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 130 से अधिक ग्रामीणों व स्कूली बच्चों की रक्तचाप, ब्लड शुगर व मलेरिया की जाँच की गई तथा जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयाँ दी गईं। ग्रामीणों, खासकर महिलाओं और बुजुर्गों ने दूर अस्पताल जाने की मजबूरी खत्म होने पर राहत और खुशी जताई।

इसी दिन चोलनार के गायत्री आश्रम में ज्ञानज्योति टॉपर्स अवॉर्ड कार्यक्रम के तहत 12 मिडिल स्कूलों के 44 मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। दूरस्थ गाँवों से स्कूल आने-जाने की बड़ी समस्या अब आसान हो गई है। कार्यक्रम में ब्लॉक पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, स्न्हस इंडिया के अधिकारी, शिक्षा अधिकारी, शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे। स्वास्थ्य की सुरक्षा और शिक्षा की सुगमता—ये दोनों पहलें गाँवों में नई उम्मीद और आत्मविश्वास जगा रही हैं। ग्रामीण अब स्न्हस इंडिया को केवल कंपनी नहीं, अपने विकास की सच्ची साझेदार मान रहे हैं।

एमपी में पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा शुरूः पचमढ़ी और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए भोपाल से मढ़ई- पचमढ़ी पहुंच सकेंगे

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में पर्यटन के लिए आज विशेष दिन है। आज से जिले के पर्यटन क्षेत्र पचमढ़ी और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व दर्शन के लिए भोपाल से मढ़ई -पचमढ़ी पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा का शुभारंभ किया गया। इस हेलीकाप्टर वायु सेवा के माध्यम से देश ङ्क प्रदेश के पर्यटक कम समय में पचमढ़ी और मढ़ई पहुंच सकेंगे, पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा शुरू होने से जिले में पर्यटन को बढ़ाबा मिलेगा जो पर्यटक दूरी अधिक होने से और सफर के दौरान समय अधिक लगने के चलते पचमढ़ी और मढ़ई नहीं आ पाते थे अब वह पर्यटक भी पचमढ़ी और मढ़ई के प्राकृतिक धरोहर के दर्शन कर सकेंगे।

प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं को सुदृढ़ करने एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सुगम पहुंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा का शुभारंभ 20 नवंबर से किया गया। यह सेवा भोपाल, मढ़ई एवं पचमढ़ी को हवाई मार्ग से जोड़ते हुए पर्यटन विकास को नया आयाम

देगी। पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा भोपाल से मढ़ई एवं पचमढ़ी के लिए भोपाल से प्रातः 10 बजे मढ़ई के लिए उड़न, 10.40 बजे मढ़ई एवं 10.50 बजे से 11.10 बजे तक मढ़ई भ्रमण और फिर मढ़ई से 11.20 पर प्रस्थान कर पचमढ़ी 11.40 बजे पहुंचेंगे। पीएम श्री हेलीकॉप्टर वायु सेवा के उद्घाटन कार्यक्रम में लोगों में उत्साह देखा गया। इस सेवा के माध्यम से लोग खुश हैं। इस दौरान सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक सोहागपुर विजयपाल सिंह के साथ अन्य आला अधिकारीगण मौजूद थे।

ईडी का बड़ा एक्शन; अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप की 1,400 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त कीं

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले अनिल धीरुभाई अंबानी ग्रुप (एडीएजी) ग्रुप पर बड़ा एक्शन लिया है और 1,400 करोड़ रुपए की वैल्यू की नई अचल संपत्तियां जब्त की हैं। सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी में बताया कि नए कदम के बाद ईडी की ओर से जब्त की गई संपत्तियां की वैल्यू बढ़कर करीब 9,000 करोड़ रुपए हो गई है। ईडी की ओर से संपत्तियां ऐसे समय पर जब्त की जा रही हैं, जब जांच एजेंसी पूछताछ के लिए अनिल अंबानी को कई बार समन भेज चुकी है और वह पेश नहीं हुए हैं। रिलायंस एडीएजी के चेयरमैन अनिल अंबानी को 17 नवंबर को ईडी के दिल्ली मुख्यालय में जयपुर-रींगस हाईवे प्रोजेक्ट से जुड़ी फेमा जांच में दूसरी बार पेश होना था, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज कर दिया और वर्चुअल पेशी का प्रस्ताव रखा। इससे पहले पहले अनिल अंबानी 14 नवंबर को भी ईडी के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए थे। हालांकि, दौरान उनकी ओर से रखे

गए वर्चुअल पेशी के प्रस्ताव को जांच एजेंसी ने खारिज कर दिया था। ईडी सूत्रों के अनुसार, सरकारी एजेंसी फेमा के तहत उनका बयान दर्ज करना चाहती है। यह जांच उन आरोपों के बाद शुरू हुई थी, जिसमें कहा गया था कि रिलायंस इंफ्रा ने 2010 में मिले हाइवे प्रोजेक्ट के लगभग 40 करोड़ रुपए को सूरत स्थित फर्जी कंपनियों के माध्यम से दुबई भेज दिया था। इससे पहले,अगस्त में ईडी मुख्यालय में कथित 17,000 करोड़ रुपए के ऋण धोखाधड़ी मामले में उनसे लगभग नौ घंटे तक कड़ी पूछताछ हुई थी।

नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण में राष्टीय नेताओं का जमावड़ा

पटना। बिहार के नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पद की शपथ ली। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री तथा कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राकेश कुमार सिंह ने नव नियुक्त मंत्री रामा निषाद और श्रेयासी सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में आए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से शिष्टाचार मुलाकात की और उनके साथ बिहार के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की।

गिरफ्तारी वारंट को प्रवर्तनी करार दिया गया

बेल्जियम का सर्वोच्च न्यायालय 9 दिसंबर को प्रत्यर्पण के खिलाफमेहुल चोकसी की अपील सुनेगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की ओर से अपने प्रत्यर्पण को चुनौती देने के मामले की सुनवाई 9 दिसंबर को बेल्जियम के सर्वोच्च न्यायालय- कोर्ट ऑफकैसेशन- के समक्ष होगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में एंटवर्प अपीलीय न्यायालय के 17 अक्तूबर के फैसले को चुनौती दी है। इस फैसले में भारत की ओर से उसके प्रत्यर्पण के अनुरोध को बरकरार रखते हुए इसे वैध बताया गया था।

एडवोकेट जनरल हेनरी वेंडरलिंडन ने कहा कि कोर्ट ऑफ कैसेशन 9 दिसंबर को मामले की सुनवाई करेगा। उन्होंने पीटीआई को

बताया कि अपील न्यायालय केवल कानूनी पहलुओं पर अपील न्यायालय के निर्णय की जांच करता है, जैसे कि क्या अपील न्यायालय ने कानूनी प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया है, तथा क्या उन्होंने सही प्रक्रिया का पालन किया है। उन्होंने कहा, इसलिए, नए तथ्य या साक्ष्य पेश नहीं किए जा सकते।

वेंडरलिंडन ने साफ किया, कार्यवाही, संक्षेप में, लिखित होती है। नियमानुसार, सभी मामलों की सुनवाई होती है। यदि न्यायालय अपील स्वीकार करने से इनकार करता है, तो यह कानूनी आधार पर होगा, उदाहरण के लिए, जिस व्यक्ति ने शिकायत दर्ज की थी, उसके पास ऐसा करने की कानूनी क्षमता नहीं थी। उन्होंने कहा कि पक्षकारों को अपनी शिकायतें उसी समय लिखित रूप में बतानी चाहिए जब वे न्यायालय में अपील करें। उन्होंने कोर्ट ऑफ कैसेशन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए कहा, वे कोई अन्य शिकायत नहीं जोड़ सकते। सुनवाई के दौरान, वे अपनी शिकायतों को विस्तार दे सकते हैं, लेकिन इसके अलावा कुछ नहीं।

17 अक्तूबर को एंटवर्प में अपील न्यायालय में चार सदस्यीय अभियोग कक्ष ने 29 नवंबर 2024 को जिला न्यायालय के पूर्व-परीक्षण कक्ष की ओर से जारी आदेशों में कोई कमी नहीं पाई। इस आदेश में मई 2018 और जून 2021 में मुंबई की विशेष अदालत की ओर से जारी गिरफ्तारी वारंट को प्रवर्तनी करार दिया गया। इससे चोकसी के प्रत्यर्पण की अनुमति मिल गई।

अपीलीय न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किये जाने पर निष्पक्ष सुनवाई से वंचित किए जाने या दुर्व्यवहार का सामना किए जाने का कोई खतरा नहीं है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि घोटाले की कुल राशि में से अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये की हेराफेरी की है।

घोटाले का पता चलने से कुछ दिन पहले जनवरी 2018 में एंटीगुआ और बारबुडा भाग गए चोकसी को बेल्जियम में देखा गया था।

बिना योजना के तैयार एसआईआर खतरनाक है: ममता बनर्जी

कोलकाता। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर बंगाल में जहां सत्तरुढ़ तृणमूल सरकार व चुनाव आयोग के बीच तनातनी है वहीं सीएम ममता बनर्जी एसआईआर के बहाने मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर हर रोज जुबानी हमले कर रहीं है।

एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में ममता ने आरोप लगाया है कि राज्य में चल रहा एसआईआर बिना किसी प्लान के किया जा रहा है, जो न केवल अस्त-व्यस्त है बल्कि खतरनाक भी है और यह खतरनाक स्टेज पर पहुंच गया है। सीएम ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखा, मैं आपको लिखने के लिए मजबूर हूं क्योंकि बंगाल में चल रहा स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) के हालात बहुत ही खतरनाक स्टेज पर पहुंच गया है।

भारत की बढ़ेगी सैन्य क्षमता, अमेरिका के साथ 47.1 मिलियन डॉलर की डील; मिलेंगे ये खतरनाक हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच एक बड़े सैन्य समझौते का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत के लिए 47.1 मिलियन डॉलर की हथियार बिक्री को मंजूरी दे दी है। इसके बाद भारत को जेवलिन एंटी-टैंक मिसाइल और एक्सकैलिबर सटीक-निर्देशित आर्टिलरी राउंड्स मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने कांग्रेस को भेजी अधिसूचना में बताया है कि भारत सरकार ने 100 स्न्तरू-148 जेवलिन मिसाइल राउंड्स, 1 जेवलिन स्न्तरू-148 फ्लाई-टू-बाय मिसाइल और 25 लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स (रुष्टरु) या ब्लॉक-1 कमांड लॉन्च यूनिट्स (ष्टरु) खरीदने का अनुरोध किया है। इसके अलावा भारत 216 एक्सकैलिबर आर्टिलरी राउंड्स भी खरीदेगा।

डीएससीए ने कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग ने 47.1 मिलियन डॉलर की अनुमानित लागत से एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और अन्य उपकरणों की संभावित बिक्री को मंजूरी दी है। एजेंसी के अनुसार, इन हथियारों को भारतीय सेना में शामिल करने में किसी प्रकार की तकनीकी या परिचालनिक मुश्किल नहीं आएगी। साथ ही, इस सौदे से क्षेत्रीय सैन्य संतुलन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। जेवलिन दुनिया की सबसे उन्नत पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों में से एक है, जिसे लॉकहीड मार्टिन और ऋञ्ञ्ङ्ग ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। इसे *फायर एंड फॉरगेट* मिसाइल कहा जाता है, यानी फायर करने के बाद सैनिक को लक्ष्य पर नजर बनाए रखने की आवश्यकता नहीं होती।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ स्कूल में आए बदमाश, 25 लड़कियों को उठाकर ले गए; नाइजीरिया में क्या हो रहा?

अबुजा, एजेंसी। अफ्रीका के नाइजीरिया में एक चौंकाने वाली घटना ने सबको हैरान कर दिया है। देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक हाईस्कूल पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और 25 लड़कियों का अपहरण कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस स्कूल अपहरण कांड में एक कर्मचारी की गोलीबारी में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तरी नाइजीरिया में बढ़ते अपहरणों के बीच यह घटना अभी किसी संगठन ने स्वीकार नहीं की है। पुलिस ने बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हथियारबंद अपराधी अचानक छात्रावास में घुस आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में उन्होंने 25 छात्राओं को उनके बिस्तरों से खींचकर ले लिया और जंगल की ओर फरार हो गए। घटनास्थल पर एक कर्मचारी को गोली लगने से तत्काल मौत हो गई, वहीं दूसरे घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि यह बोर्डिंग स्कूल केब्बी राज्य के डैंको-वासागु क्षेत्र के मागा गांव में है। उन्होंने कहा कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और अपहरण से पहले सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाई। फिलहाल, एक संयुक्त टास्क फोर्स संदिग्धों के भागने के रास्तों और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान चला रही है।

जी20 में अमेरिका के शामिल न होने से द.अफ्रीका पर पड़ेगा असर

केप टाउन, एजेंसी। जी20 लीडर्स समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल न होने से मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी दी है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका सरकार पर श्वेत रंग के किसानों के खिलाफ जनसंहार का आरोप लगाते हुए सम्मेलन में भाग न लेने का एलान किया था। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया कि 22-23 नवंबर को होने वाला जी20 समिट जारी रहेगा।

पीपीपी सांसद राजा फैसल बने पाक अधिकृत कश्मीर के नए पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद राजा फैसल मुमताज राठौर को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। सोमवार को तहरीक-ए-इंसाफ के मौजूदा प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव पीपीपी सांसद कासिम मजीद ने पेश किया था। राठौर ने पीपीपी के 27 और पीएमएल-एन के 9 सांसदों का समर्थन हासिल किया। 52 सदस्यों वाली सदन में यह चौथी बार है, जब 2021 में सरकार बनने के बाद किसी प्रधानमंत्री को बदला गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले चीनी विद्वान सम्मानित

शंघाई, एजेंसी। चीन के शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने सोमवार को मशहूर चीनी विद्वान प्रो वांग झिचेंग को सम्मानित किया। माथुर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, वांग ने चीनी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद किया। उनका अनुवाद 2015 में प्रकाशित हुआ था। इसे 17 बार दोबारा छापा जा चुका है। माथुर ने आगे कहा कि इस साल प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता का नवीनतम चीनी संस्करण चीनी पाठकों में खासा पसंद किया गया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने नकद डॉलर लेन-देन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह (आउटफ्लो) को रोकने और पाकिस्तानी रुपया को गिरने से बचाने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले नकद डॉलर पर सीमा लगा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बैंकों को निर्देश दिया है कि जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा अकाउंट नहीं है, उन्हें डॉलर का कोई नकद भुगतान न करें। एसबीपी ने एक्सचेंज डीलरों को भी ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही देने का निर्देश दिया है।

वियतनाम में भूस्खलन की चपेट में आई बस छह लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन एक बस मलबे में दब गई। घटना में 6 की मौत हो गई और 19 यल हो गए। अभी एक हफ्ते और भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किमी लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है।

गाजा के लिए अमेरिका की योजना को यूएन की मंजूरी, अंतरराष्ट्रीय बल की तैनाती का रास्ता साफ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी देकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की राह खोल दी है। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती और भविष्य में फलस्तीनी राज्य की संभावित राह का जिक्र है। हालांकि दूसरी ओर रूस और चीन ने मतदान से दूरी बनाई, जबकि 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। अमेरिका को उम्मीद थी कि बता दें कि दो साल से चल रहे इस्राइल-हमास युद्ध के बाद यह प्रस्ताव गाजा में जारी नाजुक युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कई अरब और मुस्लिम देशों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे गाजा में सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल भेजने में तभी हिस्सा लेंगे, जब सुरक्षा परिषद से इसकी औपचारिक अनुमति मिल जाए।

अमेरिकी प्रस्ताव में क्या-क्या : ज्यादा रोचक बात ये है कि अमेरिकी प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली युद्धविराम योजना को समर्थन दिया गया है। इसके तहत 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम की एक अस्थायी प्राधिकरण का गठन होगा, जिसकी अगुवाई खुद ट्रंप करेंगे। यह बोर्ड और सुरक्षा बल गाजा की सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के हथियारमुक्त जैसे व्यापक काम

संभालेंगे। इन सबकी अनुमति 2027 के अंत तक लागू रहेगी।

फलस्तीनी राज्य पर मजबूत भाषा, अरब देशों की मांग के बाद बदलाव : इसके इतर लगभग दो हफ्तों तक चली बातचीत में अरब देशों और फलस्तीनियों ने अमेरिका पर दबाव डाला कि फ़लस्तीनी आत्मनिर्णय पर भाषा को और स्पष्ट और मजबूत बनाया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव में यह कहा गया कि जब फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) जरूरी सुधार कर लेगा और जब गाजा का पुनर्निर्माण आगे बढ़ेगा, तो फलस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य की ओर एक विश्वसनीय रास्ता तैयार हो सकता है। मामले में अमेरिका ने यह भी कहा कि वह इस्राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत शुरू करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह-अस्तित्व का राजनीतिक ढांचा बनाया जा सके।

फलस्तीनी राज्य को लेकर नेतन्याहू का विरोध जारी : इन प्रस्तावों से इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह फलस्तीनी राज्य की स्थापना का विरोध करेंगे। उनका तर्क है कि यह कदम हमास को इनाम देने जैसा होगा और आगे चलकर इस्राइल की सीमा पर एक और बड़ा हमास-नियंत्रित राज्य बन सकता है।

प्रस्वात को अरब देशों का समर्थन : गौरतलब है कि अमेरिका को प्रस्ताव पारित कराने में अरब और मुस्लिम देशों का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। कतर, मिस्र, यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की ने एक संयुक्त बयान जारी कर प्रस्ताव को जल्दी अपनाने की अपील की थी। कुल 13 देशों ने इसके पक्ष में वोट दिया, जबकि रूस और चीन ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। किसी भी देश ने विपक्ष में वोट नहीं किया। अमेरिका ने इसे ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया।

क्या है प्रस्ताव में : इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स की तैनाती की इजाज यह फोर्स इजराइल, मिस्र और नई ट्रेंड फिलिस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा में सुरक्षा और सीमाओं की निगरानी करेगा। उग्रवादी संगठनों से हथियार सरेंडर करवाने में मदद करेगा। मानवीय सहायता की सुरक्षित आपूर्ति तय करेगा। 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम से एक अंतरिम प्रशासन का गठन यह व्यवस्था 2027 के अंत तक चलेगी। इसमें ट्रम्प के अध्यक्ष रहने की संभावना बताई गई है। प्रस्ताव में पहली बार यह भी बताया गया है कि अगर फिलिस्तीनी प्रशासन सुधार करता है और गाजा का पुनर्निर्माण तेजी से होता है, तो भविष्य में फिलिस्तीन को एक अलग देश के रूप में बनने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि इजराइल ने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इस बीच रूस ने एक अलग प्रस्ताव रखा था, जिसमें दू स्टेट सॉल्यूशन की मांग की गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फोर्स या नए प्रशासन की तुरंत इजाजत नहीं थी। दूसरी तरफ, अमेरिका को कतर, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई मुस्लिम देशों का समर्थन भी मिला।

फुटबाल विश्व कप देखने वालों अमेरिका जाने में होगी आसानी, ट्रंप ने 'फीफा पास' का किया अनवारण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए आने वाले विदेशी यात्रियों की वीजा प्रक्रिया तेज करने के लिए 'फीफा पास' नाम की नई पहल शुरू की है। इस सुविधा के तहत वे लोग, जिन्होंने फीफा से विश्व कप मैचों के टिकट खरीदे हैं, उन्हें वीजा इंटरव्यू के लिए जल्दी समय मिल सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो आम तौर पर कड़े आव्रजन रुख के लिए जाने जाते हैं, विश्व कप के लिए बढ़ रही दुनिया भर की यात्रा को देखते हुए यह व्यवस्था ला रहे हैं ताकि फुटबाल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका आने वालों को आसानी हो सके। व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले फीफा के अध्यक्ष फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफांटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम- जिसका पूरा नाम- 'प्रायोरटाइज्ड अप्वाइंटमेंटस शेड्यूलिंग सिस्टम' - टिकटधारकों को एक खास 'फीफा पोर्टल' के जरिये वीजा अप्वाइंटमेंट को प्राथमिकता दिलाएगा। इंफांटिनो ने कहा, 'अगर आपके पास विश्व कप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता मिलेगी... आपने खुद कहा था, मिस्टर प्रेसिडेंट- अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है।' फुटबाल प्रेमियों से ट्रंप ने की खास अपील इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबाल विश्व कप के प्रेमियों से अपील की कि वे 'जितनी जल्दी हो सके' वीजा के लिए आवेदन करें। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि विश्व कप से पहले दुनिया भर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में 400 से ज्यादा अतिरिक्त अधिकारी भेजे गए हैं ताकि बढ़ती मांग को संभाला जा सके। उनके मुताबिक, दुनिया के करीब 80% इलाकों में लोग 60 दिनों के भीतर वीजा इंटरव्यू पा सकते हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदला जा सकता है मैच का स्थान इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर उन्हें किसी शहर की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, तो वे इंफांटिनो से कहेंगे कि वहां से मैच को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। उन्होंने यह टिप्पणी सिएटल को लेकर की, जहां नई मेयर के रूप में केटी विल्सन, जो एक प्रगतिशील एक्टिविस्ट हैं, हाल ही में चुनी गई हैं। सिएटल अगले साल अमेरिका के 11 मेजबान शहरों में से एक है।इंफांटिनो ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर दोहराया कि 'विश्व कप की सफलता के लिए सुरक्षा सबसे अहम है' और टिकट बिक्री देखकर यह साफ है कि लोग अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं।

व्हाट्सएप मैसेज में की राष्ट्रपति मादुरो की आलोचना, 65 वर्षीय महिला को सुनाई गई 30 साल जेल की सजा

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की एक अदालत ने एक महिला डॉक्टर को व्हाट्सएप ऑडियो संदेश में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार की आलोचना करने के लिए 30 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, 65 वर्षीय मार्गी ओरोज्को को 'देशद्रोह, घृणा भड़काने और षड्यंत्र' के लिए अधिकतम सजा सुनाई गई है, क्योंकि समुदाय के नेताओं ने उनके खिलाफ एक संदेश की शिकायत की थी, जिसे एक विश्वासघाती संदेश माना गया था।

अगस्त 2024 में गिरफ्तार की गई थी बुजुर्ग महिला : मामले में बुजुर्ग महिला मार्गी ओरोज्को को अगस्त 2024 में पश्चिमी शहर सैन जुआन डे कोलोन में गिरफ्तार किया गया था, जब मादुरो के पुनर्निर्वाचन के बाद वेनेजुएला संकट में था, जिसे विपक्ष और दर्जनों देशों ने धोखाधड़ी बताकर खारिज कर दिया था। उनके विवादित जीत के दावे के कारण विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2,400 गिरफ्तारियां हुईं, हालांकि अधिकांश को कुछ ही महीनों में रिहा कर दिया गया।

बुजुर्ग को महिला को दो बार पड़ा दिल का दौरा : इन विरोध प्रदर्शनों के बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने समर्थकों से फासीवादियों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया, यह शब्द अक्सर विपक्षी सदस्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वेनेजुएला के जेईपी अधिकार एनजीओ के अनुसार, हिरासत में रहते हुए ओरोज्को को दो बार दिल का दौरा पड़ा है। वहीं एनजीओ फोरो पेनल का कहना है कि वेनेजुएला की जेलों में लगभग 882 राजनीतिक कैदी कैद हैं। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे, हालांकि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से बात करने की संभावना भी खुली रखी है। ट्रंप का आरोप है कि मादुरो की वजह से ड्रग्स और प्रवासियों की समस्या बढ़ी है। दूसरी ओर मादुरो ने भी कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं। इसी बीच अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड' कैरेबियन पहुंचा है और ड्रग्स ले जाने वाले संदिग्ध जहाजों पर हमले तेज हुए हैं।

ब्रिटेन में शरण नीति में बड़ा और सख्त बदलाव, अस्थायी शरण और वीजा पेनल्टी होगी लागू; नई नीति में क्या-क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की शरण नीति में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए, कड़े नियम पेश किए हैं। इसके तहत अस्थायी शरण 20 साल तक सेटलमेंट की अवधि और अवैध लौटने वालों के लिए देशों पर वीजा पेनल्टी जैसी सख्त मेडिडास लागू होंगी। मामले में सरकार का कहना है कि इससे अवैध प्रवास रोका जाएगा और असली शरणार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायपूर्ण रास्ते खुलेंगे।

पीएम स्टार्मर ने इस मामले में कहा कि देश की मौजूदा शरण व्यवस्था अवैध रूप से आने वाले लोगों के लिए बड़ा आकर्षण बन गई है। इसे रोकने के लिए गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए कड़े सुधार पेश किए हैं।

पीएम स्टार्मर ने बड़े बदलावों पर दिया जोर : संसद में बयान से

पहले जारी एक विस्तृत नीति दस्तावेज में स्टार्मर ने कई बड़े बदलावों की बात कही है, जैसे कि शरण पाने वालों को स्थायी निवास (सेटलमेंट) मिलने में अब 20 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जो देश ब्रिटेन में अवैध तरीके से आए अपने नागरिकों को वापस नहीं लेते, उनके लिए वीजा पेनल्टी लगेगी। स्टार्मर ने कहा कि मौजूदा सिस्टम मानव तस्करी को बढ़ावा देता है और कई लोग, जो कानूनी तौर पर ब्रिटेन आते हैं, बाद में शरण लेने की कोशिश करने लगते हैं। उनके मुताबिक, अगर चैनल पार करके आने वालों की संख्या कम करनी है और शरण प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाना है, तो कड़े नियम जरूरी हैं।

नई नीति में क्या-क्या : ऐसे में नई नीति के अनुसार शरण मिलने पर दर्जा अस्थायी होगा, जब तक कि व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए सुरक्षित न हो जाए। जिन शरणार्थियों के पास संपत्ति है, उन्हें अपने रहने का कुछ खर्च खुद देना होगा। जब सिस्टम पर नियंत्रण स्थापित होगा, तब सुरक्षित और कानूनी रास्तों से सीमित संख्या में शरणार्थियों को आने की अनुमति दी जाएगी।

डेनमार्क जैसी मॉडल कैसे अपनाएगा ब्रिटेन : संसद में बयान देते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि यूके अब डेनमार्क जैसी सख्त मॉडल को अपनाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सिर्फ आने वालों की संख्या कम करना काफी नहीं है, जिन्हें रहने का अधिकार नहीं है उनकी वापसी भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में कुछ असफल शरण मांगने वालों को स्वैच्छिक रूप से सीरिया भेजा गया है। महमूद ने घोषणा की कि अंगोला, कांगो और नामीबिया को पहली बार वीज़ा पेनल्टी वाली सूची में रखा गया है। बाद में और देशों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

क्या कहते है गृह मंत्रालय के आंकड़े : गौरतलब है कि गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 से अब तक चार लाख से ज्यादा लोग ब्रिटेन में शरण मांग चुके हैं, लेकिन अवैध रूप से आए लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया उसी गति से नहीं बढ़ी है। महमूद के अनुसार, इस समय एक लाख से अधिक लोग सरकारी खर्च पर शरण आवासों में रह रहे हैं।

ताइवान को लेकर चीन-जापान के बीच भारी तनाव

जापानी प्रधानमंत्री बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंग, चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे

बीजिंग/टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे : बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी सीसीटीवी ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीनी मीडिया बोला- ताइवान मुद्दे में जापान बेवजह दखल दे रहा : चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है। जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है। जापान के कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि हाल के डिप्लोमेटिक विवादों के बाद चीनी मीडिया में जापान को लेकर माहौल खराब हुआ है, इसलिए यह नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। जापान के सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतें, अकेले ट्रैवल न करें, बच्चों के साथ बाहर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध इंसान या ग्रुप को देखकर तुरंत दूर चले जाएं।

सऊदी अरब से बड़ी डील कर रहे ट्रंप को चीन की चिंता, कौन सा सीक्रेट लीक होने का है डर

वाशिंगटन, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वॉशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।' उन्होंने कहा, 'वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन हो सकता है। साथ ही अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है।

चिंता में भी है ट्रंप सरकार : तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजरायल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो।

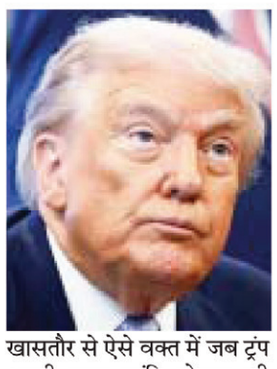

खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजरायली समर्थन पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि एक और दीर्घकालिक चिंता यह भी है कि सौदे के बाद एफ-35 प्रौद्योगिकी चीन द्वारा चुराई जा सकती है या किसी तरह चीन को हस्तांतरित की जा सकती है। क्योंकि उसके संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। ट्रंप की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब वह सऊदी अरब और इजरायल को उनके आपसी संबंध सामान्य बनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

'फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज' में सैन्य और राजनीतिक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ निदेशक ब्रैडली बोमन ने कहा, 'उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप यह स्पष्ट कर देंगे कि पहला एफ-35 तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक सऊदी अरब इजरायल के साथ संबंध सामान्य नहीं कर लेता। वरना राष्ट्रपति अपनी ही पकड़ कम कर लेंगे।

शेख हसीना मामले में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न निष्पक्ष-न न्यायसंगत', मानवाधिकार संगठन की दो टूक

ढाका, एजेंसी। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में सबसे अग्रणी संस्थाओं के तौर पर शुमार एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बांग्लादेश में शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले का विरोध किया है। ब्रिटेन आधारित इस संस्था ने कहा है कि हसीना और उनके कार्यकाल में गृह मंत्री की भूमिका निभाने वाले असदुज्जमां खान के खिलाफ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न तो निष्पक्ष थी और न ही न्यायसंगत थी। दूसरी तरफ हसीना की सजा को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी- यूएनएचआरसी ने चिंता जताई है। यूएनएचआरसी ने इस मामले में तय प्रक्रिया, निष्पक्ष सुनवाई के मानकों पर जोर दिया और साथ ही मौत की सजा का पूर्ण विरोध किया है।

क्या है एमनेस्टी इंटरनेशनल का बयान : गौरतलब है कि बांग्लादेश में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और असदुज्जमां को मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी करार दिया गया। हालांकि, मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद जारी एक बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- 'शेख हसीना को मौत की सजा सुनाने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।'

एजेंसी की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, 'जुलाई और अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए घोर उल्लंघनों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार लोगों की जांच की जानी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के जरिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हालांकि, न तो यह कार्यवाही और न ही सजा कहीं से भी निष्पक्ष और न्यायोचित है।' मानवाधिकार संगठन ने इस

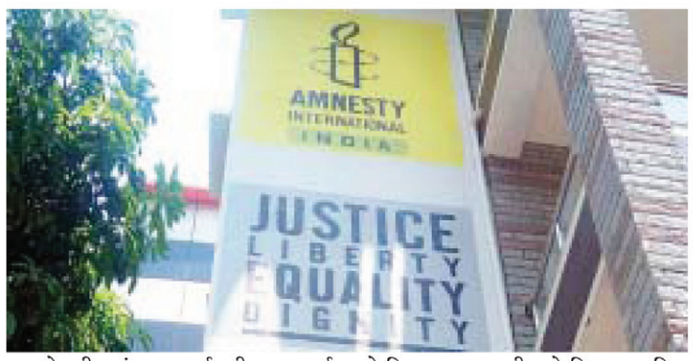

मामले की जांच-सुनवाई की अभूतपूर्व गति का हवाला देते हुए शेख हसीना की ट्रायल के दौरान गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधिकरण का फैसला इस स्तर और जटिलता के मामले में निष्पक्ष जांच पर चिंता और संदेह पैदा करता है। बयान में आगे कहा गया, 'शेख हसीना का प्रतिनिधित्व अदालत की ओर से नियुक्त एक वकील ने किया था, फिर भी बचाव पक्ष को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। हसीना के खिलाफ अनुचित मुकदमे का संदेह उन रिपोर्ट्स से और भी बढ़ जाता है, जिनमें कहा गया है कि बचाव पक्ष को विरोधाभासी माने जाने वाले सबूतों पर जिरह करने की इजाजत नहीं दी गई।'

एमनेस्टी के मुताबिक, यह निष्पक्ष सुनवाई नहीं थी। जुलाई 2024 को हुई हिंसा के पीड़ितों को बेहतर नतीजे मिलने थे। संस्था ने कहा कि उन पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए था, लेकिन मौत की सजा सीधे तौर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी सजा का विरोध किया : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि शेख हसीना को सजा का फैसला पिछले साल के विरोध प्रदर्शनों के बीच दमन झेलने वाले पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस मुकदमे को चलाए जाने क तरीकों से अवगत नहीं थे। लेकिन हम अंतरराष्ट्रीय अपराधों के आरोपों पर जवाबदेही की लगातार वकालत करते रहे हैं, ताकि वे बिना किसी विवाद के उचित प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सकें।

ग्रामीण महिला उत्पादों को मिला राज्य का पहला एकीकृत ब्राण्ड 'छत्तीसकला'

केंद्रीय मंत्री चौहान ने किया छत्तीसकला ब्राण्ड एवं डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का किया विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बुधवार का दिन ग्रामीण आजीविका, महिला उद्यमिता और वित्तीय समावेशन को नई ऊर्जा देने वाला दिन रहा। जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किश्त के राज्य स्तरीय वितरण कार्यक्रम के अवसर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और हजारों ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति में बहुप्रतीक्षित एकीकृत राज्य ब्राण्ड छत्तीसकला तथा डिजिटल फाइनेंस बुकलेट का विमोचन किया।

राज्य की ग्रामीण गरीब महिलाओं द्वारा निर्मित गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को एक ही पहचान और एकीकृत बाजार मंच प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) ने 'छत्तीसकला' ब्राण्ड की शुरुआत की है। इस ब्रांड के अंतर्गत वर्तमान में मिलेट्स आधारित खाद्य उत्पाद, चाय, अचार, स्नैक्स, हैंडलूम एवं हस्तशिल्प निर्मित ढोकरा आर्ट, बांस शिल्प, मिट्टी एवं लकड़ी उत्पाद, अगरबत्ती एवं पूजा सामग्री जैसे विविध उत्पादों पर मानकीकरण, पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की योजना है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छत्तीसकला ब्रांड ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनेगा। यह ब्राण्ड उनके उत्पादों को राज्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक ले जाएगा।

48 बीसी सखियों की सफलता की गाथा का डिजिटल फाइनान्स बुकलेट का हुआ विमोचन

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने डिजिटल फायनान्स बुकलेट का भी विमोचन किया गया, जिसमें राज्यभर की 48 बैंकिंग कोरेस्पोंडेंट सखियों (बीसी सखियों) की प्रेरणादायक सफलताओं को दर्ज किया गया है।

3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप बैंकिंग सेवाएँ दे रही

वर्तमान छत्तीसगढ़ में कुल 3775 बीसी सखियाँ सक्रिय रूप से घर-घर बैंकिंग सेवाएँ दे रही हैं और पिछले चार वर्षों में 3033.48 करोड़ से अधिक का वित्तीय लेन-देन कर चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो महिलाएँ कभी घरों से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, आज वही महिलाएँ गाँव-गाँव वित्तीय सेवाएँ पहुँचाकर सामाजिक व आर्थिक परिवर्तन की राह बना रही हैं।

हजारों स्व-सहायता समूह को मिला वित्तीय सशक्तिकरण

इस भव्य कार्यक्रम से ग्रामीण महिला समूहों को बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। जिसके अंतर्गत 1080 स्व-सहायता समूहों को 1.62 करोड़ रुपए की रिवॉल्विंग निधि एवं 8340 स्व-सहायता समूहों को 50.04 करोड़ रूपए की सामुदायिक निवेश निधि, बैंक लिंकेज के रूप में 229.74 करोड़ रूपये प्रदान किये गए। इसके साथ ही 1533 महिला उद्यमियों को 6.23 करोड़ रुपए का उद्यमिता ऋण भी प्रदान किया गया है। इन वित्तीय प्रावधानों से ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि एवं नए उद्यमों की स्थापना और आर्थिक स्वावलंबन को मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण समृद्धि, महिला नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की नई दिशा

धमतरी में हुआ यह आयोजन न केवल आर्थिक सहायता का वितरण था, बल्कि 'आत्मनिर्भर ग्रामीण छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। 'छत्तीसकला' ब्राण्ड, बीसी सखी मॉडल और व्यापक वित्तीय समर्थन तीनों मिलकर ग्रामीण आजीविका की दशा और दिशा बदलने वाले साबित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के छत्तीसगढ़ आगमन पर राज्यपाल ने भेंट की भित्ती चित्रकारी की पेंटिंग

रायपुर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के छत्तीसगढ़ आगमन पर अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित समारोह में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने उन्हें भित्ती चित्र की पेंटिंग भेंट की। भित्ती कला चित्रकला का यह रूप है, जिसमें घर की दिवारों पर उभरी हुई आकर्षक आकृतियों का प्रदर्शन होता है।

नवनिर्मित धर्मशाला भवन लोकार्पण समारोह 21 को

रायपुर। श्रीराधाकृष्ण स्वामी मुरली मनोहर सुहागा मंदिर (पुनिया बाई) धर्मशाला ब्राम्हणपारा रायपुर द्वारा नव निर्मित धर्मशाला भवन का लोकार्पण समारोह 21 नवंबर को शाम 6 बजे आयोजित किया गया है। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल रमेश बैस होंगे। अध्यक्षता रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल करेंगे। विशेष अतिथि विधायक सुनील सोनी रायपुर दक्षिण, रविन्द्र चौबे पूर्व मंत्री एवं श्रीमती मीनल चौबे महापौर रायपुर होंगे। उक्त जानकारी मंदिर ट्रस्ट समिति के सदस्य प्रदीप नारायण तिवारी, भूपेन्द्र शर्मा, संजय दीवान, हरीश मिश्रा एवं ज्ञानेश शर्मा ने संयुक्त रूप से दी।

पटवारी से आरआई बने अधिकारियों पर शिकंजा : एसीबी

रायपुर। बुधवार सुबह छत्तीसगढ़ में एसीबीईओडब्ल्यू की टीम ने व्यापक छापेमार अभियान चलाया। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग समेत कई शहरों में करीब 20 स्थानों पर दबिश दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, कार्रवाई उन अधिकारियों के घरों और ठिकानों पर केंद्रित है, जो पटवारी से राजस्व निरीक्षक (आरआई) बनने की परीक्षा में अनियमितताओं का लाभ लेने के संदेह में हैं या जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप पहले से दर्ज हैं। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग के अलावा अंबिकापुर, जगदलपुर, गरियाबंद और महासमुंद में भी जांच टीमों की गतिविधि जारी है। अधिकारियों के दस्तावेज, संपत्ति विवरण और संदिग्ध लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं।

शहीद अरुण केशव सप्रे की 54वीं पुण्यतिथि 21 को

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे की 54वीं पुण्यतिथि दिनांक 21 नवम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर पालिक निगम सामान्य सभा सभागार में स्थित उनके तैल चित्र के समक्ष उनका सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 4 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

रेमेडियम लाइफ केयर का धमाकेदार प्रदर्शन, दूसरी तिमाही में मुनाफा दोगुना

कंपनी के परिणामों की प्रमुख हाइलाइट्स

मुंबई। फार्मा और स्पेशियलिटी केमिकल सेक्टर में सक्रिय रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड ने सितंबर-2025 को समाप्त दूसरी तिमाही और अर्धवार्षिक अवधि के नतीजे जारी करते हुए बेहतरीन परफॉर्मेंस दर्ज किया है। कंपनी के मुताबिक परिचालन दक्षता, पोर्टफोलियो की मजबूती और विस्तार रणनीति ने वित्तीय परिणामों को नई ऊंचाई दी है। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई तिमाही के दौरान एकीकृत वित्तीय परिणामों ने मजबूत परिचालन गति दिखाई। परिचालन कार्यों से एकीकृत आय 11,105.82 लाख रूपये दर्द की गई, जबकि कुल आय 11,431.25 लाख रूपये दर्ज हुई। इस तिमाही में कर से पहले का सयुक्त मुनाफा 1,043.69 लाख रूपये और कर के बाद का मुनाफा 862.34 लाख रूपये रहा। प्रति शेयर आय 0.10 हुई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही की तुलना में दोगुनी है।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई अर्धवार्षिक अवधि के आंकड़ों पर गौर करे तो परिचालन कार्यों से कुल आय 22,442.39 लाख रूपये हुई और कुल आय 23,115.60 लाख दर्ज हुई। छह महीनों के लिए कर से पहले का मुनाफा 1,614.92 लाख रुपए रहा, जबकि कर के बाद का मुनाफा 1,327.22 लाख रूपये रहा, जो प्रति शेयर 0.15 रूपये की कमाई दर्शाता है। 30 सितंबर, 2025 तक कुल एकीकृत संपत्ति 1,62,318.10 लाख रूपये थी।

इस मजबूत वित्तीय प्रदर्शन पर कंपनी के पूर्ण समय के डायरेक्टर श्री आदर्श मुंजाल ने कहा कि दूसरी तिमाही के मजबूत परिणाम हमारी परिचालन अनुशासन और बिजनेस विस्तार के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमारा एकीकृत प्रदर्शन हमारे पोर्टफोलियो की मजबूती और कुशलतापूर्वक विस्तार करने की क्षमता को दिखाता है। हम लाभ में सुधार, संपत्ति की स्थिति को मजबूत करने और सभी हितधारकों के लिए निरंतर विकास पर केंद्रित हैं। हमें विश्वास है कि कंपनी का यह मजबूत प्रदर्शन और उत्कृष्ट परिचालन गति वित्त वर्ष के शेष समय में भी जारी रहेगी। गौरतलब है कि रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड ने हाल ही में श्री रामभजन विश्वकर्मा और श्री विग्नेश लक्ष्मण गावड़े को बोर्ड में नियुक्त कर अपने नेतृत्व ढांचे को और मजबूत किया है। यह कदम कंपनी के प्रशासन, वैश्विक विस्तार और CDMO क्षमताओं को बढ़ाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने का संकेत देता है। इसके समानांतर, कंपनी की वैश्विक सहायक कंपनियों की उपस्थिति (सितंबर-2024 में सिंगापुर निगम सहित) का लाभ उठाने और CDMO सेवा पोर्टफोलियो का विस्तार करने की रणनीति उसके स्पेशलिटी फार्मा और केमिकल व्यवसाय को मजबूत करने तथा उसके मोनेटाइज बढ़ाने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है।

एमवे इंडिया ने 'न्यूट्रीलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन' लॉन्च किया

रायपुर। आज की तेज़ और व्यस्त जीवनशैली में पोषण की कमी चुपके-चुपके नुकसान पहुँचाने वाली एक समस्या बनती जा रही है। इसी वजह से लोग अब अपने संपूर्ण स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। विटामिन ष्ठ की कमी भी ऐसी ही एक समस्या है, जो अलग-अलग आयु समूहों के लोगों में देखने को मिलती है और यह साफ दिखाता है कि समय रहते पोषण की कमी पूरी करना क्यों ज़रूरी है। इसी आवश्यकता को देखते हुए और पोषण के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता को और मजबूत करते हुए, एमवे इंडिया, जो स्वास्थ्य और वेलनेस के क्षेत्र में अग्रणी कंपनी है, ने न्यूट्रिलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन लॉन्च किया। यह वैज्ञानिक रूप से तैयार किया गया फ़ॉर्मूलेशन विटामिन ष्ठ का स्तर बेहतर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है और हड्डियों तथा इम्यूनिटी को बेहतर करता है। लॉन्च के दौरान एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, श्री रजनीश चोपड़ा ने कहा, आजकल की भागदौड़ भरी जीवनशैली और धूप के संपर्क में कम रहने के कारण भारत में विटामिन डी की कमी तेज़ी से बढ़ी है। अध्ययनों से पुष्टि हुई है कि लगभग 80-90 प्रतिशत भारतीयों में विटामिन डी का स्तर अपर्याप्त है, जो समय के साथ हड्डियों और समग्र स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, एमवे में हम विज्ञान आधारित न्यूट्रिशन लाइन को बेहतर बना रहे हैं ताकि लोग अपने स्वास्थ्य लक्ष्य हासिल कर सकें। उत्पाद नवाचार पर रणनीतिक रूप से ध्यान देने के तहत, हमें अपने नए उत्पाद 'न्यूट्रीलाइट विटामिन डी प्लस बोरॉन' को लॉन्च करते हुए गर्व हो रहा है। यह उत्पाद मजबूत हड्डियों और बेहतर स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी तत्वों के साथ तैयार किया गया है। यह हमारे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के कायाकल्प और लंबे समय तक अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारी प्रतिबद्धता केवल सप्लीमेंट तक सीमित नहीं है। हम लोगों को उनका स्वास्थ्य बेहतर बनाने, उनकी ऊर्जा बढ़ाने और उन्हें लंबा ही नहीं बल्कि अधिक स्वस्थ और संतोषपूर्ण जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। फ़ॉर्मूलेशन की खूबियों पर बात करते हुए, एमवे इंडिया की चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, अमृता असरानी ने कहा, यह फ़ॉर्मूलेशन वाकई समग्र स्वास्थ्य की हमारी सोच को दर्शाता है। एमवे में हम आधुनिक विज्ञान पर आधारित उन्नत सप्लीमेंट्स देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि स्वास्थ्य के प्रति सजग आजकल के उपभोक्ताओं की ज़रूरतें पूरी हो सकें। विटामिन ष्ठ3 शरीर में कैल्शियम अवशोषण को बेहतर बनाकर हड्डियों की संरचना और घनत्व को मजबूत करता है। बोरॉन विटामिन ष्ठ के उपयोग को बेहतर बनाता है, जबकि विटामिन च्2 यह सुनिश्चित करता है कि कैल्शियम वहीं पहुँचे जहाँ उसकी सबसे ज़्यादा आवश्यकता है, यानी हड्डियों में। इसी के साथ, लीकोरिस और क्वेरसेटिन का वह मिश्रण जिसका हमने पेटेंट लिया हुआ है, विटामिन ष्ठ3 का पूरक बनकर हड्डियों को और भी बेहतर बनाता है और शरीर को प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट लाभ भी देता है। ये सभी तत्व मिलकर हड्डियों की देखभाल के लिए एक विशेष तीन-स्तरीय सुरक्षा बनाते हैं, जो हड्डियों को भीतर से पोषण देकर उन्हें और मजबूत बनाती है। न्यूट्रीलाइट का दर्शन, जिसमें प्रकृति और आधुनिक विज्ञान का संतुलित उपयोग समाया है, इस फ़ॉर्मूलेशन में झलकता है। यह पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक रूप में काम में लाकर भारतीयों को न केवल आज बल्कि आने वाले वर्षों तक मजबूत, लचीला और ऊर्जावान बनाए रखने के हमारे मिशन को आगे बढ़ाता है।

शासन की योजनाओं का त्वरित लाभ श्रमिकों को समय पर मिले: श्रम मंत्री देवांगन

रायपुर। प्रदेश के श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन नवा रायपुर में श्रम विभाग द्वारा आयोजित लैब-राइट कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रदेश के श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक योजनाए चलाई जा रही है। इन योजनाओं का त्वरित लाभ श्रमिकों को समय पर मिले इस उद्देश्य से यह कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से आए श्रम विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रम विभाग के सचिव सह श्रमायुक्त श्री हिमशिखर गुप्ता, अपर श्रमायुक्त एस.एल. जागड़े, श्रीमती सविता मिश्रा, उपायुक्त श्रम सूर्यभान पैकरा, श्री डीपी तिवारी सहित जिलों से आए श्रम अधिकारी उपस्थित थे।

श्रम मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा श्रमिकों एवं उनके परिजनों की बेहतरी के लिए कई योजनाए संचालित की जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से श्रमिकों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को बेहतर

बनाने के लिए समय-समय पर डीबीटी के जरिए आर्थिक मदद दी जा रही है। श्री देवांगन ने कहा कि श्रमिकों के साथ-साथ उनके बच्चों को पढ़ाई-लिखाई के लिए भी सरकार द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है।

श्रम मंत्री श्री देवांगन ने जिलों से आए श्रम अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई श्रमिक पंजीयन कराने आता है तो दस्तावेज की कमी के कारण उनका आवेदन निरस्त न करें, जो भी कमी है उसे पूरा कराने में मदद करें। उन्होंने कहा कि श्रम कार्ड से श्रमिकों को अनेक लाभ है। जो पंजीकृत श्रमिक है उनका समय पर पंजीयन हो जिससे शासन की योजनाओं को लाभ मिलता रहें। श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। यह तभी संभव है जब हर विभाग अपना बेहतर प्रदर्शन करें। लोगों की समस्याओं का समय पर निदान हो। उद्योग एवं श्रम विभाग आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। श्रम विभाग के सचिव श्री हिमशिखर गुप्ता ने कहा कि लैब-राइट कार्यशाला के जरिए श्रमिकों के बेहतरी के लिए और बेहतर कदम उठाए जाएंगे। प्रदेश में धान कटाई के बाद श्रमिक काम की तलाश में अन्य राज्यों का रूख करते है। इस पर हमें अंकुश लगाने की जरूरत है। श्रम सचिव श्री गुप्ता ने श्रम विभाग के मैदानी अधिकारियों को विभाग की योजनाओं को अधिक से अधिक लाभ श्रमिकों दिलाने के निर्देश दिए।

जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने 400 दिनों में एमजी विंडसर की 50,000 यूनिट्स बेचने की उपलब्धि हासिल की

रायपुर। जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने एक साल से कुछ अधिक समय में एमजी विंडसर की 50,000 यूनिट्स बेचने की उपलब्धि हासिल की है। यह कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक कामयाबी है। इस कामयाबी के साथ एमजी विंडसर भारत की पहली इलेक्ट्रिक कार बन गई है, जिसकी रिकॉर्ड समय में 50,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं। इससे इलेक्ट्रिक कार की श्रेणी में कंपनी का नेतृत्व प्रदर्शित होता है। यह उपलब्धि प्रबुद्ध ग्राहक वर्ग के बीच एमजी विंडसर की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। ये ग्राहक सस्टेनेबल और अत्याधुनिक मोबिलिटी समाधान चाहते हैं। एमजी विंडसर की बिक्री केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि नॉन-मेट्रो शहरों में भी इस कार की मांग लगातार बढ़ती रही है। इससे सस्टेनेबल मोबिलिटी समाधान अपनाने की ओर भारत की दिलचस्पी प्रदर्शित होती है। यह उपलब्धि एमजी विंडसर में इनोवेटिव डिज़ाईन, बेहतर परफॉर्मेंस और स्वामित्व के शानदार अनुभव का प्रमाण है, जो आधुनिक ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप है। इस अवसर पर अनुराग महरोत्रा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने कहा, ''हमने एक सरल व महत्वाकांक्षी मिशन के साथ विंडसर ईवी का लॉन्च किया था। हम एक व्यवहारिक, स्टाईलिश और मूल्य-संचालित मोबिलिटी समाधान पेश करना चाहते थे, ताकि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में तेजी लाई जा सके। विंडसर ईवी की जबरदस्त सफलता और रिकॉर्ड समय में 50,000 यूनिट्स की सेल भारत में हमारे इलेक्ट्रिक वाहनों के सफर में एक ऐतिहासिक क्षण है। इससे प्रदर्शित होता है कि ग्राहक इस परिवर्तन को बड़े उत्साह के साथ स्वीकार कर रहे हैं। हमारी इस उपलब्धि ने हमें ऊर्जा से भर दिया है और नए एनर्जी वाहनों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। हम हर बार बेहतरीन अनुभव प्रदान करना चाहते हैं। हम भारत में मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के लिए इस मानक को लगातार बढ़ाते रहेंगे।'' जेएसडब्लू एमजी मोटर इंडिया ने हाल ही में एमजी विंडसर इंस्पायर लॉन्च की है। यह एक लिमिटेड एडिशन सीरीज़ है, जिसका अनावरण भारत के माननीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने किया था।

एमजी विंडसर भारत की पहली इंटैलिजेंट सीयूवी है, जिसने ईवी सेगमेंट में हलचल मचा दी। यह ऑटोमोटिव उद्योग का एक आधुनिक चमत्कार है, जिसमें कम्फर्ट, स्टाईल और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन मिश्रण है। यह 9.99 लाख रुपये + 3.9 रुपये/किलोमीटर के शुरुआती बैटरी एज़ ए सर्विस (बी.ए.ए.एस) मूल्य में पेश की जा रही है। यह सीयूवी सेडान के आराम के साथ एसयूवी की बहुउपयोगिता पेश करती है। एमजी विंडसर 100किलोवॉट (136पीएस) की पॉवर एवं 200एनएम का टॉर्क प्रदान करती है।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION

e-Procurement Tender Notice
Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT No: 2637/PWD/ZONE-5/2025 RAIPUR DATED: 20.11.2025

Online bids are invited for the following works of works up to 12.12.2025 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works/ Description of work	probabale amount of contract	remark
01	180117	भक्त माता कर्मा वार्ड क्र. 67 अंतर्गत आंगनबाड़ी भवन निर्माण। बी.एस.यू.पी. की की उपलब्ध भूमि में आंगनबाड़ी निर्माण के संबंध में।	11.69 lacs	1st call

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 21.11.2025, 10.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

NOTE:
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e- Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

ZONE COMMISIONER
ZONE- 05
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

OPPO India ने ऑल-न्यू Find X9 सीरीज़ के साथ प्रीमियम स्मार्टफोन अनुभव को नए सिरे से परिभाषित किया

नई दिल्ली: आज OPPO India ने भारत में अपनी FindX9 सीरीज़ पेश की। यह भारत में प्रीमियम सेगमेंट में एक बेहतरीन पेशकश है। Find X की विरासत को आगे बढ़ाते हुए इस नई सीरीज़ में Find X9और Find X9 प्रो स्मार्टफोन शामिल हैं, जो फ्लैगशिप स्मार्टफोन के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। यह नई सीरीज़ शानदार ऑल-राउंड अनुभव प्रदान करती है। इसमें नए युग का हैसलब्लैड कैमरा सिस्टम, जबरदस्त बैटरी लाईफ शक्तिशाली परफॉरमेंस और सुगम एवं स्मार्ट कलर ह्स16 जैसी अनेक खूबियाँ हैं। यह नई सीरीज़ भारत में OPPO की जबरदस्त मार्केट परफॉरमेंस के बाद पेश की गई है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन (आईडीसी) के वर्ल्डवाईड क्वाटरलीमोबाईल फोन ट्रैकर के अनुसार OPPO 2025 की तीसरी तिमाही में 13.9प्रतिशत बाजार अंश के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है। Find X9 प्रो का 16GB+512तक का वर्ज़न 109999 रुपये में उपलब्ध है। Find X9 का 12GB+256GB का वर्ज़न 74999 रुपये और 16GB+512GB का वर्ज़न 84999 रुपये में उपलब्ध है।

संपादकीय

फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ

जब ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैँ। रोजगार बचाना आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि-अधिकार हो जाएगा। आलोचक अक्सर कहते हैं कि मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का वास्तविक अर्थ है: फायदे का निजीकरण और घाटे का समाजीकरण। यानी जो फायदा हुआ, वह कंपनी मालिकों की जेब में जाएगा, लेकिन घाटा हुआ, तो उसे करदाताओं के पैसे भरा जाएगा। यह प्रवृत्ति अब बेहद आम हो चुकी। लेकिन इस कारण आर्थिक प्रबंधन का यह ढांचा आम जन की निगाह में लगातार अपनी साख खोता चला गया है। फिलहाल, इस प्रवत्ति के तहत भारतीय करदाताओं को 84 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की चपत लगने की आशंका पैदा हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने वोडाफोन आइडिया (वीआई) कंपनी पर बकाया एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) की कुल रकम का पुनर्मूल्यांकन करने और उसे माफ करने की अनुमति केंद्र को दे दी है। यह फैसला सोमवार को आया और उसी दिन आय कर विभाग ने ट्रांसफर प्राइसिंग केस में इस कंपनी पर 8,500 करोड़ रुपये के बकाया से संबंधित मुकदमे को वापस ले लिया। 2020 के न्यायिक निर्णय के मुताबिक वीआई पर 58,254 करोड़ रुपये का बकाया एजीआर तय किया गया था। ब्याज, जुर्माना और जुर्माने पर ब्याज के साथ यह रकम 83,400 करोड़ रुपये से अधिक हो गई। अब ये सारी रकम माफ की जा सकेगी। इसके पहले केंद्र ने इस कंपनी को बेलआउट देने के क्रम में इसमें 49 फीसदी हिस्सेदारी खरीद ली थी। इसके तहत 36,950 करोड़ रुपये इस कंपनी में लगाए गए। तब यह जुमला भुला दिया कि बिजनेस में शामिल होना सरकार का काम नहीं है! दरअसल, जब कभी ऐसे कदम उठाए जाते हैं, तो उसके लिए तर्क गढ़ लिए जाते हैँ। रोजगार बचाना एक आम दलील है। वीआई के मामले में यह भी कहा गया कि अगर कंपनी फेल हुई, तो बाजार में जियो और एयरटेल का द्वि-अधिकार हो जाएगा। मगर भारत सरकार को द्वि या एकाधिकार से कोई दिक्कत है, इसे मानने का शायद ही कोई आधार मौजूद हो! असल मकसद है अपनी अक्षमताओं के कारण फेल हो रही एक कंपनी को बचाना। यह सिरे से फ्री मार्केट सिद्धांत के खिलाफ है। दरअसल, ऐसे कदम क्रोनिज्म के दायरे में आते हैं। मगर आज इसकी शायद ही किसी को फिक्र हो!

किसी ने नहीं सोचा था कि इतना बड़ा जनादेश मिलेगा

हरिशंकर व्यास

बिहार विधानसभा का नतीजा ऐसा होगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। न तो नरेंद्र मोदी ने सोचा था, न अमित शाह ने और न नीतीश कुमार ने। यह अलग बात है कि नारा 225 सीट जीतने का था या बातें 2010 की तरह 206 सीट जीतने की हो रही थी। लेकिन असल में किसी ने नहीं सोचा था कि इतना बड़ा जनादेश मिलेगा। तभी अमित शाह ने 160 सीटों की बात कही थी। उन्होंने जब 160 सीटों का लक्ष्य रखा तब भी एनडीए की साझीदार पार्टियां बहुत आश्वस्त नहीं थीं। सोचें, पहले चरण की 121 सीटों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने खुद कहा कि विपक्ष की 65 वोल्ट का झटका लगा है। इसका अर्थ यह निकाला जा रहा था कि पहले चरण में एनडीए 65 सीटें जीत रहा है। इस अनुपात में दोनों चरण मिला कर 130 से 140 सीटें हो सकती थीं। दूसरे चरण के चुनाव में मतदान पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो गया। फिर भी डेढ़ सौ से ज्यादा सीट जाने की उम्मीद एनडीए के नेता नहीं कर रहे थे। भाजपा के बिहार प्रदेश के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा था कि 140 सीटें पक्की हैं और 40 सीटों पर नजदीकी मुकाबला है, जहां मेहनत करनी होगी। यानी मेहनत करके 180 सीटों तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य था। उस नेता ने भी दो सौ सीटों के बारे में नहीं सोचा था। ऊपर से तमाम एक्जिट पोल नजदीकी मुकाबला दिखा रहे थे। सबके आंकड़े में दोनों गठबंधनों के बीच दो से चार फीसदी वोट का अंतर दिख रहा था और ऐसा माना जा रहा था कि अगर एक दो फीसदी वोट भी इधर उधर हुए तो समीकरण बदल जाएगा। लेकिन दोनों गठबंधनों के बीच अंतर 10 फीसदी वोट का हो गया। यह भी किसी ने नहीं सोचा था। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि पिछली बार नीतीश कुमार ने 11 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें से एक भी नहीं जीत पाया था, जबकि इस बार सिर्फ चार में से दो उम्मीदवार चुनाव जीत गए। जनता दल यू की ओर चैनपुर सीट पर जमां खान जीते, जबकि अररिया सीट पर शगुफ्ता अजीम चुनाव जीत गईं। इस बारे में भी किसी ने नहीं सोचा था। इस बार जदयू पूरी तरह से भाजपा के रंग में रंगी हुई दिखाई दी। योगी आदित्यनाथ ने जनता दल यू के उम्मीदवारों की सीटों पर प्रचार किया। पूरे गठबंधन ने सिर्फ पांच मुस्लिम उम्मीदवार उतारे, जिसमें चार जदयू के और एक लोजपा का था। अमित शाह से पूछा गया कि भाजपा ने कोई मुस्लिम उम्मीदवार नहीं दिया तो उन्होंने कहा कि इसमें क्या नई बात है, भाजपा पहले भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं देती थी। इसके बावजूद दो मुस्लिम उम्मीदवार जीत गए। इतना नहीं 50 फीसदी से ज्यादा मुस्लिम आबादी वाले ठाकुरगंज सीट पर भी जदयू के गोपाल अग्रवाल चुनाव जीत गए। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के कारण जिन सीटों पर नजदीकी मुकाबले का अंदाजा लगाया जा रहा था उन सीटों पर भी भाजपा और जदयू के उम्मीदवार भारी अंतर से जीते हैं। कुम्हरार की सीट पर प्रोफेसर केसी सिन्हा के कारण भाजपा मुश्किल में लग रही थी लेकिन वह 40 हजार से ज्यादा वोट से जीती। ऐसे ही दीघा जन सुराज के रितेश रंजन के कारण मुश्किल हो रही थी तो वह सीट भाजपा 50 हजार वोट से जीती। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के सामने भाजपा की स्थिति कमजोर थी और ऊपर से एक निर्दलीय वैश्य उम्मीदवार के कारण मुश्किल बढ़ रही थी पर वह सीट भी भाजपा जीत गई। बिहार से सबसे पॉपुलर यूट्यूबर मनीष कश्यप जन सुराज की टिकट पर चनपटिया सीट लड़ रहे थे और माना जा रहा था कि वे जीतेंगे या अपनी जाति के भाजपा उम्मीदवार को हरवा देंगे लेकिन वहां भी भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की। दरभंगा की अलीनगर सीट पर लोक गायिका मैथिली ठाकुर को टिकट देकर भाजपा फंस गई थी लेकिन वहां भी उसे बड़ी जीत मिली।

बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने खींच दी एक बड़ी लाइन, जिसे छोटा करना आसान नहीं!

कमलेश पांडे

कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है। ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है।

नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है, जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुन: मुख्यमंत्री बने हैं। इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है, जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है।

हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं। वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है, जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में 'इच्छा शासन' का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और समाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

इसलिए मुख्य राजनीतिक बदलाव और कारण को हम यहां पर गिना रहे हैं:- पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया।

दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000): तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे।

तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थक नीति: 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक-आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आना: 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलाव: व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं। कारण: राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया।

नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक फैसले एवं उनकी नीतियां निम्नलिखित हैं: नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है। उन्होंने 'न्याय के साथ विकास' के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिली है।

आर्थिक दृष्टिकोण से, बिहार ने खेती पर आधारित अर्थव्यवस्था के अलावा उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता अपनाया है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है। जीएसटी जैसे सुधारों का समर्थन कर राज्य ने वित्तीय अनुशासन बनाया और बहुआयामी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। हालांकि बिहार लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और संसाधनों की कमी की चुनौतियों से जूझता रहा, नीतीश कुमार की सरकारों ने इसे दूर करने के लिए कई सुधार लागू किए जिनका असर अब दिखने लगा है।

आज बिहार में सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं और सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की गति तेज हुई है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है, और राज्य वर्तमान में विकास एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है। यह प्रभाव 2025 में भी चुनाव परिणामों और विकास परियोजनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

नीतीश कुमार की सियासत को समझने के लिए निम्नलिखित कुछ पहलुओं को समझना बेहद जरूरी है:- पहला, गठबंधन आधारित राजनीति: नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में भाजपा (ह्ष्ठ), राजद-कांग्रेस (महागठबंधन) और अन्य दलों के साथ कई बार गठबंधन बदले हैं। वे जिस भी खेमे में जाते हैं, वहाँ सत्ता का केंद्र बन जाते हैं और सरकार बना लेते हैं; इसका उद्देश्य सत्ता में बने रहना और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

दूसरा, सुशासन और सामाजिक न्याय: उनकी छवि सुशासन बाबू की रही है, जहाँ कानून व्यवस्था, महिलाओं के सशक्तिकरण, पब्लिक सर्विस डिलीवरी व सामाजिक-आर्थिक विकास पर बल दिया गया। पंचायत चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण, महिला आरक्षण और कानून व्यवस्था के लिए तेज रिफॉर्म लागू किए। आधारभूत ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और अमल उनकी मुख्य उपलब्धियां हैं।

तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैली: नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं।

यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है।

नीतीश कुमार की राजनीतिक चालाकी और गठबंधन प्रबंधन ने उन्हें मुख्यमंत्री पद पर कई बार बनाए रखा, साथ ही भाजपा के लिए बिहार में सत्ता की मजबूती का रास्ता खोला। दोनों के बीच संतुलन बना रहना बिहार की राजनीतिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है।इस तरह, नीतीश कुमार का सुशासन और सामाजिक गठबंधन पर जोर और भाजपा की केंद्रीय नेतृत्व वाली मजबूत संगठनात्मक रणनीति ने बिहार में सामूहिक चुनावी सफलता और राज्यों में सत्ता की स्थिरता सुनिश्चित की है। सच कहूं तो भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक रणनीति और लाभ बिहार की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। नीतीश कुमार की रणनीति में सबसे प्रमुख था सुशासन का एजेंडा, जो 2005 से लेकर अब तक उनके राजनीतिक अभियान की पहचान बना। उन्होंने कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, और सामाजिक कल्याण पर जोर देकर खुद को एक सुदृढ़ और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में स्थापित किया।

उनके समय में जातीय गठबंधन और सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर राजनीति को सफलतापूर्वक संचालित किया गया, जिसमें अति पिछड़ा वर्ग और गैर-यादव समुदायों को मुख्य आधार बनाया गया। नीतीश कुमार ने गठबंधन राजनीति में लचीलापन दिखाते हुए बीजेपी और महागठबंधन के बीच अपनी पार्टी के हितो की रक्षा की, जिसे राजनीतिक चतुराई के तौर पर देखा जाता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार में मोदी-नीतीश की जोड़ी को चुनावी रणनीति का केंद्र बनाया। भाजपा ने गठबंधन सहयोगियों को मजबूत किया और बूथ प्रबंधन से लेकर प्रचार तक कड़े रणनीतिक कदम उठाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विकास एजेंडा का समुचित इस्तेमाल कर भाजपा ने बिहार में मजबूत राजनीतिक पकड़ बनाई। भाजपा ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के मुद्दों को प्रमुखता दी, जिससे व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ। गठबंधन में तालमेल बनाए रखने की क्षमता भाजपा की बड़ी जीत का कारण रही।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) : एक सिंहावलोकन

सुश्री सुरभि तिवारी

भारत निर्वाचन आयोग केद्वारा देश के 12 राज्यों में दूसरे चरण का एसआईआर अर्थात मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चल रहा है 7 एसआईआर को लेकर आम आदमी के मन में कई तरह की जिज्ञासाएँ और चिंताएँ हैं। लोग सोच रहे हैं कि अचानक घर-घर फॉर्म बाँटने, जानकारी लेने और बार-बार सत्यापन करने की ज़रूरत क्यों पड़ गई है और यह सब आखिर चल क्या रहा है। आम वोटर की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कहीं उसका नाम मतदाता सूची से हट न जाए, खासकर तब जब बीएलओ दस्तावेज़ नहीं ले रहा। बहुत से लोग उलझन में हो सकते हैं कि बिना दस्तावेज़ दिए उनकी पहचान कैसे सुनिश्चित होगी और क्यों नए फॉर्म, नई फोटो और नई घोषणाएँ माँगी जा रही हैं। कुल मिलाकर आम आदमी के मन में यह मिश्रित भावना है कि यह हो क्या रहा है?, कहीं मेरा नाम हट न जाए और साथ ही यह उम्मीद भी कि इस अभियान से मतदाता सूची अधिक सही, साफ और अद्यतन हो जाएगी और अंतत: उसका वोट सुरक्षित रहेगा। तो आइये एस आई आर की इस प्रक्रिया को विस्तार से समझते है7

भारत जैसे बड़ी जनसँख्या वाले और विविधता से परिपूर्ण राष्ट्र में जहाँ प्रत्येक नागरिक का मत ही लोकतंत्र का मूल आधार है,इस मत का सही महत्व तब ही हो सकता है, जब मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन और समावेशी हो।दीर्घ अंतराल के बाद शहरीकरण, प्रवासन, मृतकों के नाम , दोहरे पंजीकरण, अशिक्षा, असमान पहुँच तथा तकनीकी व्यवधानों के कारण मतदाता सूची में त्रुटियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। इसी कारण भारत निर्वाचन आयोग समय-समय पर विशेष गहन पुनरीक्षण (विशेष गहन पुनरीक्षण — एसआईआर) कराता है, ताकि प्रत्येक नागरिक की वास्तविक उपस्थिति सूची में सुनिश्चित की जा सके।विधि के अनुसार, मतदाता सूची को संशोधित किया जाना चाहिए । 1951 से 2004 तक 8 बारएसआईआरकियाजाचुकाहै । मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और झारखंड में अंतिम एसआईआर 01.01.2003 को हुआ था, जबकि पश्चिम बंगाल, गुजरात, तमिलनाडु के अधिकांश विधानसभा क्षेत्रों, महाराष्ट्र आदि में अंतिम गहन पुनरीक्षण01.01.2002 को संपन्न हुआ था। कुछ राज्यों जैसे असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड में यह 01.01.2005 को आयोजित हुआ था।इस प्रकार अंतिमएसआईआर 21 सालसेअधिकपहले 2002-2004 मेंकियागयाथा,इन तिथियों का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके आधार पर यह पता चलता है कि वर्षों से कहाँ गहन सत्यापन नहीं हुआ और कितनी आवश्यकता है कि 2025-26 का यह एसआईआर अधिक प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए।प्रथम चरण में बिहार में संपन्न होने के बाद अब दूसरे चरण में 12 राज्यों में भी एस आई आर का सुचारु रूपसे संचालन हो रहा है 7 वर्तमान विशेष पुनरीक्षण01 जनवरी 2026 की योग्यता तिथि के आधार पर आयोजित किया जा रहा है।

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य है—निर्वाचक नामावली का घर-घर जाकर वास्तविक भौतिक नामांकन करना। इसके अंतर्गत बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) सीधे प्रत्येक घर पहुँचकर मतदाता की वास्तविकता, पते, पहचान, निवासऔर पात्रता की पुष्टि करते हैं। यह प्रक्रिया सामान्य संक्षिप्त पुनरीक्षण से कहीं अधिक व्यापक और सघन होती है, क्योंकि इसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी पात्र नागरिक सूची से बाहर न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो। बीएलओ द्वारा पहले से प्रिंट फॉर्म प्रत्येक मतदाता को दिया जाता है, जिसमें मतदाता का नाम, ईपिक नंबर, पता, मतदान केंद्र, विधानसभा क्षेत्र तथा फोटो जैसी जानकारी पहले से मुद्रित रहती है। मतदाता को यह जानकारी जाँचकर, आवश्यक संशोधन सहित बीएलओ को लौटा देना होता है। ऑनलाइन फॉर्म भरने की सुविधा भी उपलब्ध है और ऐसे फॉर्म बीएलओ के मोबाइल ऐप पर स्वत: प्राप्त हो जाते हैं, जिनका सत्यापन घर-घर भ्रमण के दौरान किया जाता है।

इस एसआईआर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि बीएलओ घर-घर भ्रमण के दौरान किसी भी मतदाता से कोई भी दस्तावेज़ एकत्र नहीं करेगा।बिहार में हुए एसआईआर और वर्तमान में 12 राज्यों में चल रहे एसआईआर के बीच सबसे बड़ा और मूल अंतर यही है। दस्तावेज़ केवल तभी माँगे जाएंगे जब प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित हो जाए और ईआरओ किसी विवरण की पुष्टि हेतु औपचारिक नोटिस जारी करें। बीएलओ को घर-घर भ्रमण के दौरान फॉर्म-6 और घोषणा पत्र साथ रखना आवश्यक है, ताकि यदि कोई नया मतदाता जुड़ना चाहे या कोई व्यक्ति राज्य के बाहर से स्थानांतरण पर आया हो, तो उसे तत्काल फॉर्म उपलब्ध कराया जा सके। फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र देना अनिवार्य है, जिसमें यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदक ने किसी भी अन्य देश की नागरिकता प्राप्त नहीं की है और उसका नाम किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र या संसदीय क्षेत्र में दर्ज नहीं है।

गृह-भ्रमण 04 नवंबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 तक निर्धारित किया गया है। इस अवधि में बीएलओ प्रत्येक मतदाता से संपर्क के लिए कम से कम तीन बार जाएगा। यदि कोई मतदाता उपलब्ध नहीं होता, तो बीएलओ पड़ोसियों से तथ्य संग्रह कर उसे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत्यु या डुप्लिकेट श्रेणी में चिह्नित कर सकता है। जिन मतदाताओं के फॉर्म वापस नहीं आते, उनकी सूची पंचायत भवन, शहरी निकाय, ब्लॉक कार्यालय तथा सीईओ वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी, ताकि कोई भी नागरिक अपने या अपने परिवार से संबंधित स्थिति की पुष्टि कर सके। ड्राफ्ट रोल 09 दिसंबर 2025 को प्रकाशित किया जाएगा, जिसके बाद 09 दिसंबर से 08 जनवरी 2026 तक दावे व आपत्तियाँ आमंत्रित की जाएँगी। इसी अवधि में ईआरओ नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेजों की मांग कर सकता है और 31 जनवरी 2026 तक सुनवाई व निपटान प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची 07 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

इस पूरीप्रक्रिया में राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) को भी शामिलकिया गया है , राज्य और जिला स्तर पर राजनीतिक दलों और बीएलए की नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं ।राजनीतिक दल जमीनी स्तर पर मतदाताओं की वास्तविक स्थिति को जानते हैं, इसलिए उनके बीएलए बूथ-स्तर पर सक्रिय भूमिका देकर यह सुनिश्चित भी कर रहे है कि नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन जैसी प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार का पक्षपात या त्रुटि नहीं हुई है। इस विशेष गहन पुनरीक्षण में नागरिकता और जन्म/निवास की पुष्टि के लिए दस्तावेज़ों की एक विस्तृत, परंतु संकेतात्मक सूची भी निर्धारित की गई है। इसमें जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शिक्षा प्रमाण पत्र, सरकारी पहचान पत्र, जाति प्रमाण, परिवार रजिस्टर, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जमीन/मकान आवंटन प्रमाण पत्र, एनआरसी (जहाँ लागू) तथा सरकारी संस्थानों द्वारा 01 जुलाई 1987 से पहले जारी पहचान पत्र सम्मिलित हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से उन मतदाताओं पर लागू होता है जो पहले एसआईआर की मतदाता सूची से संबद्ध नहीं पाए जाते या जिनकी जानकारी आयोग के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती। भारत निर्वाचन आयोग ने एसआईआर प्रक्रिया को पारदर्शीजन-हितैषीबनाने और भी कई कदम उठाए हैं, राष्ट्रीय ,राज्य और जिला स्तर पर हेल्पलाइन, कॉल-सेंटर, हेल्प डेस्क,आम नागरिक के लिए सरल गाइडलाइन, सोशल मीडिया जागरूकता और नियम को सरल भाषा में समझाने वाले परिपत्र जारी किए जा रहे हैं, ताकि किसी भी मतदाता के मन में अनावश्यक शंका न रहे। कई जिलों मेंसहायता काउंटरऔर समन्वय टीमेंपंचायत भवन, नगर निकाय कार्यालय, तहसील और ब्लॉक कार्यालय और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर भी लगाए गए हैं। इसके अलावा स्वीप कार्यक्रम, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता, स्थानीय रेडियो- एफएम, सोशल मीडिया पोस्ट, व्हाट्सऐप समूह, पंचायत-स्तरीय बैठकें और मोहल्ला-वार सूचना अभियान जैसे प्रयासों से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है 7विशेष ध्यान वृद्ध, दिव्यांग, प्रवासी मजदूर, अशिक्षित और पीवीटीजी जैसे समुदायों पर दिया गया है, ताकि किसी भी कारणवश ये मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। बीएलओ ऐप, पोर्टल और ईसीआईनेट जैसे डिजिटल माध्यमों ने पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया को तेज, कुशल और पारदर्शी बना दिया है।भारत निर्वाचन आयोग ने तकनीकी सुधारोंके साथही मतदाताङ्हित को केंद्र में रखते हुए एक सहभागितापूर्ण और भरोसेमंद वातावरण तैयार किया हैजो कि लोकतंत्र के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पिटकैर्न आइलैंड जहां कोई बसना नहीं चाहता

हर किसी का सपना होता है कि एक अच्छी जगह उसका अपना घर हो। घर ऐसी जगह हो, जहां पर शांति के साथ सभी सुख सुविधाएं मौजूद हों। घर बनाने के लिए एक आम आदमी अपने जीवन भर की कमाई का लगा देता है। अगर आपको कोई घर बनाने के लिए मुफ्त में जमीन दे, तो क्या इस ऑफर को छोड़ देंगे? लोगों को एक जगह मुफ्त में रहने के लिए जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं लेना चाहता है। जानते हैं कि आखिर इसकी वजह क्या है और जगह कहां पर है?

द्वीपों पर लोग शांति की तलाश में जरूर जाते हैं, लेकिन यहां बसना नहीं चाहते हैं। अगर आपको पता चले कि ऐसे स्थान पर मुफ्त में जमीन और घर मिल रहा है, तो आप क्या करेंगे? इसके साथ ही आपको पता चले कि ऐसी जगह पर फ्री में जमीन मिल रही है, लेकिन कोई नहीं चाहता है, तो आपको हैरानी होगी।

वर्तमान समय में कुछ देश बढ़ती जनसंख्या से परेशान हैं, तो ऐसे समय में एक जगह पर लोगों को बुलाकर बसाया जा रहा है, लेकिन क्या आप इस जगह पर जाना चाहेंगे? वह जगह पिटकैर्न आइलैंड है। यहां की सरकार जनसंख्या को लेकर

परेशान है। सरकार की तरफ से यहां पर आकर बसने वाले लोगों को मुफ्त में जमीन में दी जा रही है। हालांकि इसके बावजूद यहां पर साल 2015 से लेकर अभी तक सिर्फ एक ही आवेदन पत्र मिला है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यहां दुनिया का सबसे छोटा समुदाय है, जहां पर सिर्फ 50 लोग रहते हैं। यहां पर सिर्फ दो बच्चे हैं और यहां कोई स्कूल भी नहीं है। बच्चों को पढ़ने के लिए बाहर जाना पड़ता है। यहां शहरों की तरफ शोरगुल नहीं है और यहां पर लोग अपनी छोटी दुनिया में खुश रहते हैं।

यहां पर नहीं हैं ये सुविधाएं

इस द्वीप पर रहने वाली एक 21 वर्षीय टोरिका क्रिश्चियन का कहना है कि सिर्फ

मील लंबे और 1 मील चौड़ा यह आइलैंड दुनिया से अलग है। यहां पर कोई एयरपोर्ट नहीं है। यहां पर लोग सप्लाई वाले जहाजों से यात्रा करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सप्लाई वाला जहां यहां पर हफ्ते में सिर्फ दो दिन आता है। यह जहाज पिटकैर्न आइलैंड से गैंबियर आइलैंड तक चलता है।

घूमने वाले लोग भी यहां इसी जहाज से आते हैं। साल 1978 में इस आइलैंड को बसाया गया था। यहां के लोगों की कमाई आइलैंड के स्टैंप, मॉडल शिप्स और फिश वॉल से कमाई करते हैं। यहां पर जनरल स्टोर, जिम, मेडिकल सेंटर, लाइब्रेरी, टूरिज्म ऑफिस और बेसिक सुविधाएं भी हैं। हालांकि यहां पर शांति होने की वजह से लोग यहां पर बसना नहीं चाहते हैं।

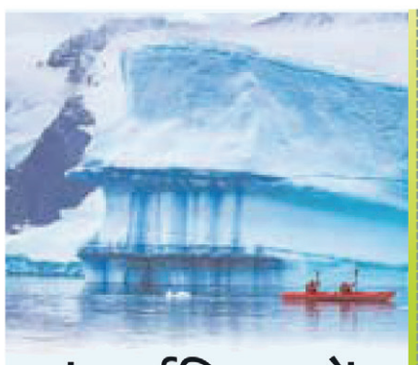

अंटार्कटिका में बर्फ के नीचे मिली ये हैरान करने वाली चीज, एलियन है या कुछ और...

दुनिया में एलियंस को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। सोशल मीडिया पर एलियंस और इलुमिनाती को लेकर कई तरह थ्योरी वायरल हुई हैं। अब इस बीच एक हैरान करने वाली खोज ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है।

अंटार्कटिक में यह खोज हुई थी, जिसमें एक पिरामिड की तरह एक पहाड़ देखा गया था। कुछ लोगों ने इसे एलियंस से जोड़ था, तो कुछ लोगों का कहना था कि यह प्राचीन सभ्यता की निशानी है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह बर्फ का पिरामिड पूरी तरह से प्राकृतिक हैं। इसकी खोज अंटार्कटिक की एल्सवर्थ माउंटेन रेंज के दक्षिणी इलाके में सैटेलाइट की तस्वीरों से की गई थी। यह पिरामिड के अकारा है, लेकिन इसके आधार पर द्रव्यमान सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी पर है। यह गीजा में मिस्र के पिरामिड से बिल्कुल विपरीत है। हालांकि, पिरामिड को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए गए।

कुछ लोगों ने यहां तक कह दिया कि प्राचीन सभ्यता और रहस्यमयी सोसाइटी इलुमिनाती से जुड़ा है। कई लोगों ने कहा कि प्रागैतिहासिक काल में अंटार्कटिक किसी समय वर्षावनों से भरा रहा होगा, जिसकी वजह से यहां ऐसी संरचनाएं अस्तित्व में आई होंगी। लेकिन, प्रोफेसर एरिक रिग्नॉट के नेतृत्व वाली टीम में शामिल भूविज्ञान विशेषज्ञों ने इस तरह की अटकलों की खारिज कर दिया था। बताया गया कि पिरामिड की तरह शेप के पहाड़ के पीछे की वजह ग्लेशियरों हैं। इसके साथ यह भी कहा गया है कि यह पूरी दुनिया के अलग-अलग स्थानों पर देखी जाने वाली एक प्राकृतिक घटना है। इन सभी के दावों के बाद भी अंटार्कटिक में मिले पिरामिड की शेप के पहाड़ को रोचक माना जाता है। इससे पता चलता है कि दुनिया में कितने आश्चर्य हैं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई कई चीजों को एलियन या फिर इलुमिनाती से जोड़कर देखा गया है। हालांकि कभी इन दोनों चीजों से जुड़े दावों की पुष्टि नहीं हो पाती है।

दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाने वाले टायसियर की एक आंख उसके दिमाग के बराबर है. वो आखों की पुतली को घुमा नहीं सकता; अगर उसे अपने आस-पास की किसी चीज़ को देखना है तो उसे अपना पूरा सिर उस तरफ़ घुमाना पड़ता है. लेकिन टारसियर की ये डरावनी आंखें ही उसकी ख़ासियत भी है, क्योंकि वह इनसे घोर अंधेरे में भी बड़ी आसानी से देख सकता है. चाहे कितना भी अंधेरा क्यों ना हो कीड़े-मकोड़े और छोटे परिंदें टारसियर की नज़र से बच नहीं सकते. उनकी आंखों की बनावट ऐसी है कि वो रोशनी के हर आखिरी फ़ोटोन को इकट्ठा कर सकता है. उनकी आंखें रात में देख सकने वाले किसी नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं.

नाइट-विज़न चश्मे की तरह होती हैं टारसियर की आंखें

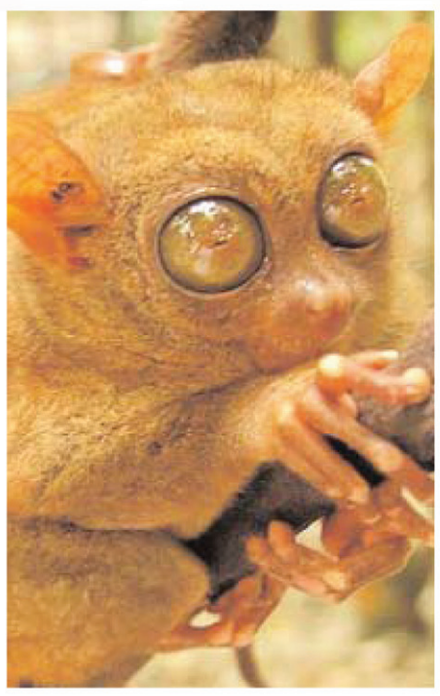

टार्सियर अब फिलीपींस, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया के दक्षिण पूर्व एशियाई द्वीपों तक सीमित हैं। वहाँ 10 टार्सियर प्रजातियाँ और चार उप-प्रजातियाँ हैं, जो बंदरों और वानरों के एक सहयोगी समूह से संबंधित हैं। विलुप्त होने से कुछ हद तक सभी टार्सियर प्रजातियों को खतरा है। किसी भी अन्य जानवर की तरह घूरने की क्षमता, अत्यधिक लंबी उंगलियां, मखमली मुलायम फर और झपट्टा मारकर कीड़े या यहां तक कि पक्षियों को पकड़ने की क्षमता के साथ, वे एक बार फिर देखने लायक हैं। यहां कुछ चीजें हैं जो टार्सियर को एक शानदार जानवर बनाती हैं।

टार्सियर्स की आंखें बहुत बड़ी होती हैं

किसी भी स्तनपायी के शरीर के आकार की तुलना में टार्सियर की आंखें सबसे बड़ी होती हैं। प्रत्येक नेत्रगोलक का व्यास लगभग 16 मिलीमीटर है, जो टार्सियर के पूरे मस्तिष्क जितना बड़ा है। आंखें इतनी बड़ी हैं कि उन्हें घुमाया नहीं जा सकता. इसके बजाय, टार्सियर उल्लू की तरह अपनी गर्दन को किसी भी दिशा में पूरे 180 डिग्री तक मोड़ सकते हैं। वे शिकार के लिए इधर-उधर घूमने के बजाय चुपचाप शिकार के आने का इंतजार करने की इस क्षमता का उपयोग करते हैं। उनकी आँखों का आकार संभवतः टेपेटम नामक परावर्तक परत की अनुपस्थिति से संबंधित है जो आम तौर पर अन्य रात्रिचर जानवरों की आँखों में पाई जाती है। 2 बच्चे खुली आँखों के साथ पैदा होते हैं, जन्म के एक घंटे के भीतर पेड़ों पर चढ़ने के लिए तैयार हो जाते हैं।

वे पूर्णतः मांसाहारी हैं

टार्सियर एकमात्र पूर्णतः मांसाहारी प्राइमेट हैं। जबकि विशिष्ट आहार प्रजातियों के साथ भिन्न होता है, उन सभी में एक चीज समान होती है- वे किसी भी प्रकार का पौधा नहीं खाते हैं। वे कीड़ों, छिपकलियों और सांपों जैसे सरीसृपों, मेंढकों, पक्षियों और यहां तक कि चमगादड़ों पर भी दावत देते हैं। वे गंभीर घात लगाकर हमला करने वाले शिकारी हैं, चुपचाप शिकार के पास आने का इंतजार करते हैं - और यहां तक कि हवा से पक्षियों और चमगादड़ों को भी झपट सकते हैं। क्षेत्रीय कथाओं पर आधारित पुराने ग्रंथों में बताया गया है कि टार्सियर चारकोल खाते हैं। यह रिपोर्ट असत्य है; इसके बजाय, टार्सियर कीड़ों तक पहुंचने के लिए लकड़ी का कोयला खोदते हैं।

उनके उपांग लम्बे हैं

टार्सियर्स को उनका नाम उनके पैरों में असाधारण रूप से लम्बी टारसस हड्डियों के कारण मिला है। जबकि टार्सियर का सिर और शरीर 4 से 6 इंच लंबा होता है, उनके पिछले पैर और पैर दोगुने लंबे होते हैं। उनके पास एक लंबी, आमतौर पर बाल रहित पूंछ होती है जो अतिरिक्त 8 या 9 इंच जोड़ती है। पेड़ की शाखाओं को पकड़ने में मदद करने के लिए उनकी उंगलियां अतिरिक्त लंबी होती हैं, और उनकी तीसरी उंगली उनकी पूरी ऊपरी भुजा जितनी लंबी होती है। उनके अंकों की युक्तियाँ डिस्क जैसे चिपकने वाले पैड में विस्तारित हो सकती हैं जो उन्हें पकड़ने में सहायता करती हैं। 2 यह अनूठी शारीरिक रचना टार्सियर को ऊर्ध्वाधर चिपकने वाला और चढ़ने वाला-और कूदने वाला बनने की अनुमति देती है। वे एक छलांग में अपने शरीर की लंबाई से 40 गुना अधिक छलांग लगा सकते हैं।

वे जमीन के करीब रहते हैं

टार्सियर आमतौर पर जमीन से 3 से 6.5 फीट की ऊंचाई पर रहते हैं। ये जानवर घने, अंधेरे वनस्पति वाले क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं। उन्हें विशेष रूप से सोने के लिए प्रचुर मात्रा में वृक्षों के आवरण की आवश्यकता होती है। वे दिन में किसी खड़ी पेड़ की शाखा या बांस से चिपक कर सोते हैं। वर्षावन की घनी वनस्पति और वन तल के करीब रहने से कीड़ों और अन्य शिकार तक अधिक पहुंच मिलती है। यह उनकी संवेदनशील आँखों को भी धूप से बचाता है। वे पुराने विकास और द्वितीयक वनों के साथ-साथ कम झाड़ीदार वनस्पतियों में भी पाए जा सकते हैं।

वे कैद में अच्छा प्रदर्शन नहीं करते

निवास स्थान और शिकार दोनों में टार्सियर की विशिष्ट ज़रूरतें बंदी प्रजनन कार्यक्रमों को लगभग असंभव बना देती हैं, और कैद में रखे गए लगभग 50% टार्सियर ही जीवित रहते हैं। जो टार्सियर तनावग्रस्त हैं या बहुत छोटे पिंजरों में हैं उनमें आत्महत्या की प्रवृत्ति होती है। विशेष तनाव के कारक हैं प्रकाश, शोर, अपने निवास स्थान में मनुष्य और छुआ जाना। वे अपनी पतली खोपड़ी को पेड़ों, फर्श या पिंजरे की दीवारों से टकराएंगे। पर्यावास संरक्षण ही उनकी एकमात्र आशा है। कैद में जीवन प्रत्याशा जंगली में 24 साल की तुलना में घटकर दो से 12 साल रह जाती है।

तीन प्रकार के होते हैं टार्सियर

टार्सियर तीन प्रकार के होते हैं- पूर्वी, पश्चिमी और फिलीपीन। पूर्वी टार्सियर सुलावेसी और आसपास के द्वीपों में निवास करते हैं, फिलीपीन टार्सियर फिलीपींस तक ही सीमित हैं और उनकी पूरी तरह से गंजी पूंछ और बाल रहित पैर हैं, जबकि ब्रुनेई, बोर्नियो, इंडोनेशिया और मलेशिया पश्चिमी टार्सियर की आबादी की मेजबानी करते हैं, जिनकी पूंछ अंत में गुच्छों के साथ होती है। फिलीपीन और पश्चिमी टार्सियर मुख्य रूप से तराई प्रजातियाँ हैं। पिग्मी प्रजाति को छोड़कर, पूर्वी टार्सियर कई आवासों और ऊंचाईयों में फैले हुए हैं, जो केवल 1,600 फीट से ऊपर पाई जाती है। ऐसा माना जाता था कि पिग्मी किस्म विलुप्त हो गई है जब इसे 1921 और 2008 के बीच नहीं देखा गया था।

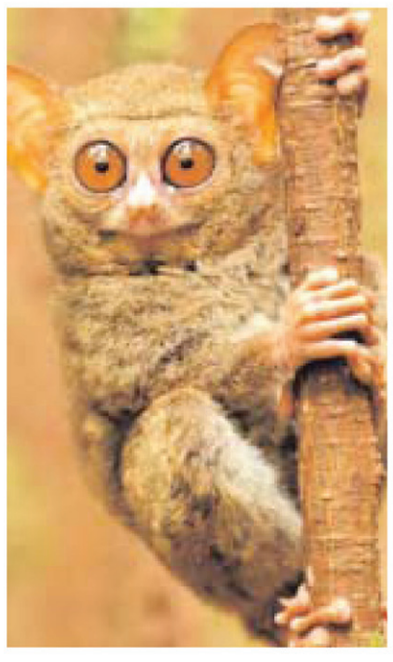

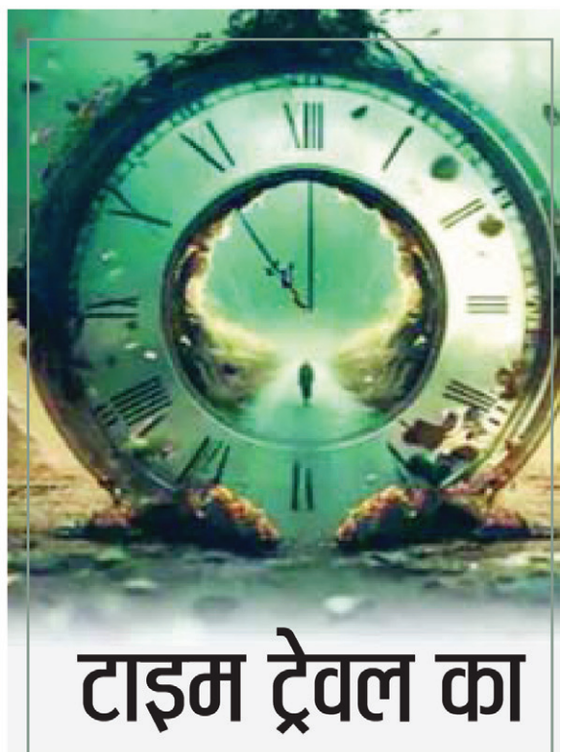

टाइम ट्रेवल का रहस्य, क्या सच में समय से आगे जाना संभव है?

अक्सर हम सभी फिल्मों में टाइम ट्रेवल के बारे में देखते आ रहे हैं। कई बार ऐसी बहुत सी कहानी भी होती है, जब उसमें टाइम ट्रेवल के कांसेप्ट को सुनने का मौका मिलता है। इसका मतलब है कि समय से आगे जाकर या फिर समय से पीछे जाकर यात्रा करना। कई फिल्मों में चाहे वो हॉलीवुड हो या बॉलीवुड हो, ऐसा दिखाया गया है कि इसके लिए एक मशीन बनाई जाती है जो समय की गति को मोड़ देता है। वैसे तो इसे लेकर हर कोई एक्साइड रहता है, क्योंकि हर कोई अपने पास्ट में जाकर कुछ ना कुछ चीजों को बदलने का सोचता है, तो कई बार लोग अपने भविष्य में जाकर अपने साथ होने वाली चीजों को देखना चाहते हैं।

क्या है टाइम ट्रेवल?

बचपन से ही जब हम टाइम ट्रेवल के बारे में देखे या सुनते हैं, तो मन में ऐसी बात आती है कि काश हमें भी टाइम ट्रेवल से यात्रा करने का मौका मिलता। इसके लिए वह तरह-तरह के सपने भी देखने लगते हैं। खासकर नव युवकों में यह उत्सुकता होती है कि वह अपने भविष्य में जाकर आने वाले समय को जान सके। वहीं, कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो अपने अतीतकाल में जाकर अपनी चीजों को बदलना चाहते हैं, लेकिन बाद में वह ऐसा सोच लेते हैं कि यह सब बस कहने की बात होती है, क्योंकि समय अपनी गति से चलता ही रहता है। उसे कोई बदल नहीं सकता।

जानें कितनी है सच्चाई

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा एक ग्रुप है, जिसमें ऐसे ही फोटोस और वीडियो पोस्ट किए जाते हैं। इससे यह साबित होता है कि टाइम ट्रेवल असल में होता है, लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है इसके बारे में कोई नहीं जानता, लेकिन जानना हर कोई चाहता है। इसके लिए लोग तरह-तरह की न्यूज सोर्स भी तलाशते हैं, जब वह जानना चाहते हैं कि क्या यह सच है।

यात्रा करना संभव या नहीं?

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर यह चीज देखने को मिलती है कि टाइम ट्रेवल को लेकर तरह-तरह के वीडियो शेयर किए जाते हैं और इसे लेकर रोचक तथ्य भी बताए जाते हैं, जिसे लोग बड़े रोमांचित होकर सुनते भी है, लेकिन वैज्ञानिकों द्वारा फिलहाल ऐसी कोई बात साबित नहीं हुई है कि समय के साथ यात्रा करना संभव है। यह केवल कहानियों में ही देखने को मिलती है कि लोग यात्रा करके समय से पहले या समय के बाद चले जा रहे हैं, लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता।

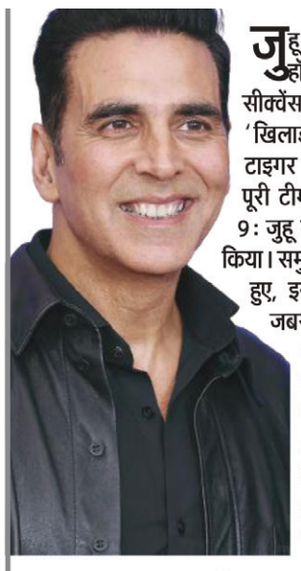

जुहू बीच मंगलवार को अचानक बॉलीवुड के किसी एक्शन सीक्वेंस में बदल गया, जब बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार ने अपने दोस्त टाइगर श्रॉफ और 'देसी बॉयज' की पूरी टीम के साथ मिलकर 'ओशन्स 9: जूहू बीच एडिशन' का नजारा पेश किया। समुद्र की लहरों से बाहर निकलते हुए, इन सितारों का सहज अंदाज, जबरदस्त भाईचारा और सबसे बढ़कर, उनकी गठीली, शर्टलेस बॉडी ने सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी। अक्षय ने खुद इस शानदार नजारे का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ओशन्स 9: जूहू बीच एडिशन।'

लड़कों की टोली लिए शर्टलेस निकले अक्षय कुमार

58 की उम्र में गजब फिटनेस

इस क्लिप का सबसे बड़ा आकर्षण थे 58 वर्षीय अक्षय कुमार। उनकी अविश्वसनीय फिटनेस देखकर प्रशंसक हैरान रह गए और कमेंट सेक्शन में तारीफों की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा, 'इस उम्र में बॉडी फिजिक... अविश्वसनीय!' जबकि दूसरे ने विस्मय व्यक्त किया, '58 साल की उम्र में सिक्स-पैक अक्षय कुमार, वाह!' प्रशंसकों ने पूरे समूह की ऊर्जा की भी जमकर सराहना की। एक उपयोगकर्ता ने टाइगर को एक वास्तविक जीवन के एक्शन हीरो की तरह लहरों से बाहर निकलते हुए बताया, जिसकी शुद्ध शक्ति, शुद्ध जादू ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

पलक तिवारी ने किलर अंदाज में दिए पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी अपने हॉट एंड सिजलिंग लुक से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। 25 साल की पलक अपने ग्लैमरस अंदाज से किसी भी इवेंट में लाइमलाइट लूट लेती हैं। इस बार ग्लैम स्ट्रीम फेस्ट 2025 में पलक के हुस्न का जादू देखने को मिला। इस इवेंट में पलक ने ऑफ शोल्डर गाउन पहनर बिजलियां गिराई। एक्ट्रेस ने अपने लुक की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तस्वीरों में वियतनामी ब्रांड Phan Huy के फॉल विंटर 2026 कॉउचर कलेक्शन का स्ट्रैपलेस गाउन पहने दिख रही हैं। ऑर्गेंजा जैसे फैब्रिक से बना यह गाउन, वॉक करते समय लहरों की तरह मूव करता दिखा। पलक के इस यूनिक स्ट्रैपलेस गाउन में ब्राउन, कॉपर और गोल्डन के लाइट और डार्क शेड के चार-पांच कलर्स हैं। जिन्हें एक के बाद एक इस तरह से यूज किया गया कि वो एक सुंदर-सा इल्यूजन ड्रेस में क्रिएट कर रहे। पलक के गाउन का टॉप पोर्शन बॉडी फिटेड है। वहीं वेस्ट के पास से फ्लोर लेंथ हेम तक इसमें फ्लेयर्स ऐड की गई है। जिससे गाउन के वैवी पैटर्न को सुंदर- सा फ्लो मिला।

सालों बाद फिल्मों में आएंगी रेखा?

बड़ा पर्दा होगा गुलजार

रेखा ये वो नाम है जो किसी पहचान का मोहताज नहीं है। 70 के दशक में अपना करियर शुरू करने वाली रेखा बॉलीवुड में 90 के दशक तक बतौर लीड एक्टर अपना जलवा बिखेरती रहीं,इसके बाद उन्होंने फिल्मों में सपोर्टिंग रोल निभाए। हालांकि एक दशक से ज्यादा वक्त से रेखा बड़े पर्दे से दूर हैं। लेकिन, उन्हें लेकर अक्सर बातें होती रहती हैं। अब चर्चाएं हो रही हैं कि सालों बाद ये दिग्गज अदाकारा बड़े पर्दे पर लौट सकती हैं। रेखा को लेकर ये चर्चाएं अभिनेता विजय वर्मा और फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा दिए गए एक बयान के बाद हो रही है। बता दें कि रेखा को विजय की जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'गुस्ताख इश्क' में लेने पर भी विचार किया गया था। बात आगे नहीं बढ़ पाई। लेकिन, जल्द ही सब कुछ ठीक रहा तो रेखा बॉलीवुड में कमबैक कर सकती है।

बता दें कि मनीष मल्होत्रा की पहचान एक मशहूर फैशन डिजाइनर के रूप में है, उनका रेखा के साथ भी मजबूत रिश्ता है। वहीं अब मनीष ने बॉलीवुड में फिल्म 'गुस्ताख इश्क' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत की है। फिल्म में विजय वर्मा और फातिमा सना शेख लीड रोल में हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान मनीष और विजय ने रेखा को लेकर बात की। बातचीत में मनीष मल्होत्रा और विजय वर्मा से सवाल किया गया था कि, क्या रेखा बॉलीवुड में कमबैक कर सकती हैं? इस पर विजय ने कहा कि मनीष चाहते थे कि रेखा गुस्ताख इश्क में नजर आए। लेकिन, डायरेक्टर ने कहा कि सिनेमा में रेखा के कद के हिसाब से उनका रोल छोटा रहेगा और वो बड़े रोल की हकदार है।

आखिरी बार किस फिल्म में नजर आई थीं रेखा?

71 वर्षीय रेखा ने 16 साल की उम्र में फिल्म 'सावन भादों' (1970) से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी। एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाली रेखा को आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म 'सुपर नानी' में देखा गया था। शरमन जोशी की ये पिक्चर साल 2014 में रिलीज हुई थी।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर में काम करेंगे टाइगर श्रॉफ!

बॉलीवुड के एशन स्टार टाइगर श्राफ निर्देशक राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर में काम करते नजर आ सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि टाइगर श्रॉफ फिल्म नीरजा के निर्देशक राम माधवानी और निर्माता महावीर जैन की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर में लीड रोल में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि टाइगर श्रॉफ इस फिल्म में बिल्कुल नए, कभी न देखे गए अवतार में दिखाई देंगे। राम माधवानी द्वारा निर्देशित और महावीर जैन फिल्म्स व राम माधवानी फिल्म्स द्वारा निर्मित यह एक स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर है, जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखा गया। कहा जा रहा है कि टाइगर श्रॉफ इस फिल्म के लिये काफी तैयारी करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू हो सकती है। टाइगर श्रॉफ इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

भारत के गुप्त मिशन की रोमांचक झलक

फिल्म धुरंधर के मेकर्स पिछले एक हफ्ते से लगातार कैरेक्टर पोस्टर्स जारी कर रहे थे, जिनमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल और रणवीर सिंह का इंटेंस रूप दिखाया गया था। इन पोस्टर्स ने दर्शकों में रोमांच पहले से बढ़ा दिया था। आज आखिरकार फिल्म का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया गया,जिसने फिल्म की कहानी और किरदारों की गहराई का अंदाजा दे दिया।

ट्रेलर करीब चार मिनट का है, जिसमें आतंकवाद की दुनिया, पाकिस्तान में छिपे नेटवर्क और भारत के गुप्त ऑपरेशंस की झलक दिखाई देती है। हर किरदार का आक्रामक, खतरनाक और डार्क पक्ष दर्शकों को तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। फिल्म की कहानी असल घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि भारत किस तरह आतंकवाद की जड़ों तक पहुंचने के लिए सीमा पार गुप्त मिशन चलाता है। इन मिशनों में शामिल अधिकारियों की कुर्बानियां, उनके संघर्ष और पाकिस्तान में घुसपैठ की चुनौतियां कहानी का मुख्य हिस्सा हैं। रणवीर सिंह का किरदार पूरी तरह नए अंदाज में नजर आता है, गुस्से से भरा, तेज, हिंसक और मिशन पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार।

तीन घंटे की फिल्म?

धुरंधर की रनटाइम को लेकर भी बड़ी चर्चा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह रणवीर सिंह के करियर की अब तक की सबसे लंबी फिल्म हो सकती है, जिसकी अनुमानित अवधि करीब तीन घंटे बताई जा रही है।

धुरंधर में दमदार स्टारकास्ट

निर्देशक आदित्य धर, जो पहले भी देशभक्ति और एक्शन-ड्रामा में माहिर साबित हुए हैं, इस बार रणवीर सिंह के साथ नई जोड़ी के रूप में लौट रहे हैं। फिल्म में इनके साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे एक्टर्स अहम किरदार निभा रहे हैं, जो कहानी में और भी गंभीरता लाते हैं।

अनुष्का शर्मा को बेहद पसंद है ये देसी सब्जी

अनुष्का शर्मा लगभग 7 साल से बड़े पर्दे से दूर हैं। अनुष्का आखिरी बार शाहरुख के साथ 'जीरो' में नजर आई थीं और फिर कला में उनका एक छोटा सा कैमियो था। इसके अलावा या तो अनुष्का स्टेडियम में अपने क्रिकेटर पति विराट कोहली को सपोर्ट करती दिखीं या फिर विज्ञापनों में नजर आईं। इसके अलावा अनुष्का लाइमलाइट से भी दूर बनी हुई हैं। पिछले दिनों उनकी फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' को रिलीज करने की मांग उठी तो फैंस को लगा कि वह एक बार फिर उन्हें बड़ी स्क्रीन पर देख सकेंगे, लेकिन अब तक इस पर कोई अपडेट सामने नहीं आया है। इस बीच अनुष्का शर्मा का एक वीडियो जरूर सुर्खियां बटोर रहा है, जिसमें वह अमिताभ बच्चन के साथ नजर आ रही हैं।

सोशल मीडिया पर केबीसी का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है,जिसमें अनुष्का वरुण धवन के साथ अमिताभ बच्चन के शो में नजर आ रही हैं। ये वीडियो तब का है जब अनुष्का शर्मा और वरुण धवन अपनी फिल्म 'सुई धागा' के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान अमिताभ बच्चन ने अनुष्का शर्मा से उनके फेवरेट खाने को लेकर भी सवाल कर लिया, जिसका जवाब सुनकर खुद बिग बी हैरान रह गए और अनुष्का से पूछने लगे- 'आप ये सब कैसे खा सकती हैं?' अनुष्का शर्मा ने कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत में अपनी फेवरेट सब्जी के बारे में बताया और खुलासा किया कि उन्हें कटहल की सब्जी बहुत पसंद है। अनुष्का बताती है कि वह कटहल को फल की तरह नहीं बल्कि सब्जी की तरह खाती है। ये सुनकर बिग बी कहते हैं- 'कटहल, कद्दू, लौकी जैसी चीजें आप कैसे खा सकती है?' जवाब में अनुष्का बताती है कि ये तीनों ही सब्जियां उनकी फेवरेट हैं। इस पर बिग बी मजाकिया लहजे में कहते हैं - 'लगता है कि अब किसी और से पूछना होगा कि वो आपको कैसे बर्दाश्त करते हैं?' अनुष्का शर्मा का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिस पर यूजर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं।

रवि और सरगुन ने दिया कृष्ण-किशोर को इंडिया'ज गॉट टैलेंट पर बड़ा मौका

रियल लाइफ पावर कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे ने इंडिया'ज गॉट टैलेंट के मंच पर प्रतिभागी कृष्ण-किशोर को बड़ा मौका दिया है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के ब्लॉकबस्टर टैलेंट रियलिटी शो इंडिया'ज गॉट टैलेंट का नया एपिसोड एक संगीतमय जश्न में तब्दील हो गया जब रियल लाइफ पावर कपल सरगुन मेहता और रवि दुबे अपने नए ट्रैक 'फना कर दे' के प्रमोशन के लिए शो पर पहुंचे। जज मलाइका अरोड़ा, नवजोत सिंह सिद्धू, और शान, तथा होस्ट हर्ष लिंबाचिया के साथ, सेट पर उनकी मौजूदगी ने शुरुआत से ही जोश और ऊर्जा भर दी, जिससे मेलोडी, गर्मजोशी और अनपेक्षित लम्हों से भरा एपिसोड शुरू हुआ।

शाम का सबसे ख़ास पल तब शुरू हुआ जब प्रतियोगी कृष्ण और किशोर,अपनी सुरीली आवाज़ों के लिए मशहूर भाई की जोड़ी ने अपने एक्ट में एक मजेदार ट्विस्ट पेश किया। खुद गाना चुनने के बजाय, उन्होंने दर्शकों को फैसला करने दिया। दर्शकों ने 'दिल दियां गल्लां', 'आज दिन चढ़ेया', 'हौले हौले', और 'मैं अगर कहूँ' जैसे पसंदीदा गानों के नाम पुकारे, और भाइयों ने हर बार एक दिल छू लेने वाला प्रदर्शन दिया, जिसने जजों और गेस्ट दोनों का दिल जीत लिया।

इंग्लिश लिटरेचर की ज्ञानी है नयनतारा

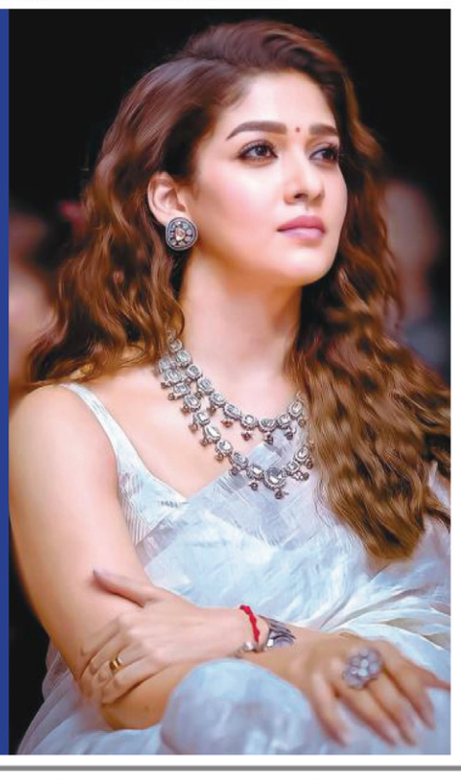

फिल्मी दुनिया में कुछ ऐसे स्टार हैं, जिनके सफलता की कहानी सभी को प्रेरित करती है। साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। फिल्मों में अपनी शुरुआत से लेकर अब तक उनकी जर्नी ने कईयों को प्रेरित किया है,क्योंकि उनकी कहानी सिर्फ फिल्मों या शोहरत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि साहसिक फैसलों और सिनेमा में महिलाओं के लिए तय सीमाओं में बंधने से इनकार करने वाले जुनून की कहानी है। दक्षिण भारतीय फिल्मों की "लेडी सुपरस्टार" बनने से पहले नयनतारा, डायना मरियम कुरियन थीं। एक सिंपल से कर्नाटकी परिवार की लड़की, जिनके पास इस मुकाम तक पहुंचने का कोई रोडमैप नहीं था, जहां वह आज हैं।

सेना के अधिकारी थे नयनतारा के पिता

नयनतारा के पिता कुरियन कोडियाट्टू सेना के अधिकारी थे और उनकी मां का नाम ओमाना कुरियन था। नयनतारा चमक-दमक की दुनिया से दूर थीं और साधारण माहौल में पली-बढ़ीं। नयनतारा शुरुआत से ही पढ़ाई में बेहद तेज थीं और इंग्लिश लिटरेचर में उनकी पकड़ लाजवाब थी। लेकिन, नयनतारा और उनके परिवार की दुनिया तब बदल गई जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और मलयालम फिल्म "मनस्सिनक्करे" (2003) से डेब्यू किया। अपनी पहली ही फिल्म के साथ ही नयनतारा हर तरफ छा गई और अपने अभिनय से सबके दिल जीत लिए। अपने डेब्यू के दो साल के भीतर ही नयनतारा ने तमिल सिनेमा में अपनी जगह बना ली और "अय्या" (2005) से बड़ी सफलता हासिल की।

विवादों में धनुष के मैनेजर,एक्ट्रेस ने लगाए कास्टिंग काउच के आरोप

एक्टर धनुष से जुड़े एक शख्स का नाम इन दिनों खासी सुर्खियों में है। इस शख्स का नाम है श्रेयस। श्रेयस के ऊपर एक महिला अभिनेत्री ने गंभीर आरोप लगा दिए हैं। अभिनेत्री ने श्रेयस पर कास्टिंग काउच का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि आरोपी धनुष का मैनेजर है, और फिल्म में काम दिलाने के बहाने आरोपी ने महिला एक्टर से 'एडजस्ट' करने की बात की। महिला का आरोप है कि आरोपी श्रेयस ने उन्हें कई बार कई तरह से फोन किया और 'एडजस्ट' करने की बात की।

महिला ने आरोप लगाया कि धनुष के कथित मैनेजर ने उनको कॉल किया और एक नए प्रोजेक्ट पर काम कराने की बात की है। महिला ने कहा कि आरोपी ने उनसे कहा कि ये वो उन्हें धनुष के साथ फिल्म में काम दिलवा सकते है, लेकिन उसके लिए कुछ शर्तें है। महिला ने आरोप लगाया कि श्रेयस ने उनसे कहा। कुछ एडजस्ट करना पड़ेगा, जिसपर महिला ने उनसे पूछा कि कौन सी कमिटमेंट?

महिला ने लगाए गंभीर आरोप

महिला ने बताया कि उन्होंने आरोपी से कहा स्पष्ट रूप से कहा कि वो ऐसे किसी भी ऑफर को मानना नहीं चाहतीं, और न ही उन्हें इस फिल्म का हिस्सा बनना है। इसपर भी आरोपी उन्हें फोर्स करता रहा। इसके अलावा महिला एक्टर ने ये भी आरोप लगाया है कि श्रेयस ने उन्हें धनुष के प्रोडक्शन हाउस की लोकेशन की डीटेल्स भी भेजी है। आरोपी ने एक्ट्रेस को कुछ स्क्रिप्ट्स भी भेजी थी, जिसे उन्होंने नहीं देखा।

'तेरे इश्क में' में धनुष

आपको बता दें कि न ही धनुष और न ही श्रेयस की तरफ से अभी इस मुद्दे पर कुछ कहा गया है। धनुष इन दिनों कृति सेनन के साथ अपनी फिल्म 'तेरे इश्क में' को लेकर सुर्खियों में है। आनंद एल राय की ये फिल्म आने वाली 28 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म को लेकर काफी हाइप है और इसका ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

खबर-खास

एस आई आर के सफल क्रियान्वयन के लिए पीसीसी ने विधानसभावार प्रभारी नियुक्त किया, आशीष वर्मा बनाए गए पाटन विधानसभा प्रभारी

पाटन (समय दर्शन)। एस आई आर का सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने विधानसभा वार प्रतिनिधि नियुक्त किया है। पाटन विधानसभा का प्रभारी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ओ एस डी रहे आशीष वर्मा को बनाया गया है। वे पाटन विधानसभा क्षेत्र में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता गहन परीक्षण कार्यक्रम एस आई आर पर सतत जानकारी रखेंगे।

शनिवार को अनुज नाईट का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। दीपावली उत्सव समिति,गरियाबंद के तत्वाधान में 22 नवंबर की रात गांधी मैदान में पद्मश्री अनुज शर्मा नाइट भव्य रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम रात 8 बजे से शुरू होगा।समिति की टीम ने बताया कि तैयारियाँ लगभग पूरी कर ली गई हैं और पूरे आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है।आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर जिला मुख्यालय तक से बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम का आनंद लेने पहुंचेंगे।समिति ने बताया कि बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है ताकि वे आराम से कार्यक्रम देख सकें। पूरा आयोजन पारिवारिक माहौल में आयोजित होगा, जिसकी सुरक्षा और व्यवस्था पर समिति विशेष ध्यान दे रही है। यह पहला मौका होगा जब पद्मश्री अनुज शर्मा गरियाबंद में इतने बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण होंगे।हालांकि लगभग 24 वर्ष पहले वे अपनी सुपरहिट फिल्म मया दे दे मया ले ले की शूटिंग के दौरान गरियाबंद में लंबे समय तक रहे थे। ज्ञात हो कि बारूका गाँव,गरियाबंद वन विभाग परिसर,हाई स्कूल परिसर और शिकासेर डेम जैसे कई स्थानों पर फिल्म की शूटिंग हुई थी, जहाँ स्थानीय लोगों ने उन्हें पूरा सपोर्ट दिया था।

अनुज शर्मा ने कहा—मैं कार्यक्रम से ज्यादा यहाँ के लोगों से मिलने आ रहा हूँ।गरियाबंद की यादें बहुत गहरी हैं।यहाँ का वातावरण,नदी-नाले, पर्वत और सबसे बढ़कर यहाँ के लोग मेरे दिल में बसते हैं।समिति का कहना है कि इस भावनात्मक जुड़ाव और कलाकार के खास प्रेम के कारण कार्यक्रम पारिवारिक और यादगार होने वाला है।

नगर कॉंग्रेस कमेटी सकती ने एस आई आर के संबंध में बैठक आयोजित किया

शक्ति (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एसआईआर के संबंध में विश्राम गृह सकती में दिनांक 20/11/2025 को बैठक आहुत की गई है जिसमें एसआईआर के संबंध में चर्चा किया किया गया तथा उपस्थित समस्त बी एल ए एवं बुथ प्रभारियो को शक्ति विधानसभा के मुख्य स्ट्रक्ट्रेनर अधिवक्ता राकेश महंत ने बैठक में एस आई आर के संबंध में विस्तृत जानकारी दिया तथा सभी बी एल ए एवं बक्षूथ प्रभारियो को अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर अपने क्षेत्र के मतदाताओं के फॉर्म शीघ्र भराने तथा मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया जिस किसी भी मतदाता का नाम तथा नए मतदाता का नाम नहीं मतदाता सूची में सम्मिलित करने से न छूटे ।इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अधिवक्ता दिगंबर प्रसाद चौबे शक्ति नगर एस आई आर मंडल प्रभारी लाला सोनी नेता गिरधर जायसवाल महबूब खान मनोज जायसवाल अलका जायसवाल पीयूष राय कांग्रेस के पाषर्दगण सभी मंडल अध्यक्ष गण सभी वार्ड के बीएलए बूथ प्रभारी एवं अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

गुणवत्ता विहीन कार्य का रोना रोता बसना की जर्जर सड़कें

बसना(समय दर्शन)। बसना ब्लाक के ग्राम पंचायत रोहिना में साल 2023 में करीब 19 लाख रुपये की लागत से बनी डब्ल्यूबीएम सड़क महज डेढ़ साल में ही जर्जर होकर टूटने लगी है। सड़क की हालत देखकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है।

सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर मार्ग उपलब्ध कराने के लिए नई-नई योजनाएं चला रही हैं। लेकिन कुछ अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि मिलकर इन योजनाओं को ही बंदरबांट का साधन बना रहे हैं। रोहिना पंचायत में अधिकारी कर्मचारी से लेकर जनप्रतिनिधियों ने कथित रूप से मनरेगा कार्य में भारी गड़बड़ी को अंजाम दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि ,सड़क की लंबाई कागज में 1200 मीटर दर्ज है, परंतु भौतिक सत्यापन करें तो यह 1000 मीटर भी पूरी नहीं होती। सड़क का मापदंड भी हर जगह अलग अलग प्रतीत होता है। इसके अलावा कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई मानकों के अनुरूप नहीं है। रोड के बीचों बीच घास भी उग आई है। गिट्टी व मुरम की परतें गायब दिखाई देती हैं। यह स्थिति सिर्फघटिया व गुणवत्ताहीन काम के साथ स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है।

स्कूलों मे चल रहा है फर्जी बिलों का खेल

शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष ने की डीईओ से शिकायत

बसना(समय दर्शन)। महासमुन्द जिले मे शिक्षा विभाग का दामन दिन-ब-दिन दागदार होते जा रहा है। पिथौरा विकासखण्ड के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी-हिंदी माध्यमिक विद्यालय पिरदा मे फर्जी तरीके से राशि आहरण का मामला प्रकाश में आया है ।

यहाँ के प्रभारी प्राचार्य पर भ्रष्टाचार, फर्जी बिलों के माध्यम से धन आहरण तथा विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी जैसे गंभीर आरोप स्वयं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति अध्यक्ष इंदल बरिहा द्वारा लगाए गए हैं।

उन्होंने कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद को विस्तृत शिकायत सौंपकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में कहा गया है कि प्रभारी प्राचार्य द्वारा विद्यालय विकास के लिए प्राप्त राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है ,तथा फर्जी बिलों के जरिए खर्च दिखाकर राशि आहरण कर लिया जाता है।

विद्यालय में छात्रों को मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। प्रभारी प्राचार्य स्वयं अंग्रेजी विषय के शिक्षक होते हुए भी एक भी कक्षा नहीं लेते और अंग्रेजी पढ़ाने का कार्य क्लर्क (सहायक ग्रेड-3) से कराया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। जनभागीदारी समिति की बैठकों में आय-व्यय का ब्यौरा पूछे जाने पर प्राचार्य गोल-मोल जवाब देते हैं।

प्रयोगशाला सामग्री के बारे में पूछने पर इसे चोरी होना बताकर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। शिकायतकर्ता ने शिक्षा सत्र 2023-24 और 2024-25 के समस्त आय-व्यय विवरण की जांच, विद्यालय में उपलब्ध सामग्री का भौतिक सत्यापन, स्वामी आत्मानंद विद्यालय बनने से पूर्व उपलब्ध फर्नीचर तथा नए फर्नीचर के आगमन के बाद पुराने फर्नीचर का क्या किया गया, इसकी जांच तथा सभी शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है या नहीं- इन सभी बिंदुओं की जांच की मांग की है।

शिकायत प्राप्त होने पर जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद ने 10 नवंबर 2025 को आदेश जारी करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी पिथौरा को प्रकरण की जांच कर सात दिवस के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

बाल सुरक्षा सप्ताह समापन के अवसर पर स्कूली बच्चों का रंगोली,निबंध,कविता एवं खेल का किया गया आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के दिषा-निर्देष एवं मार्गदर्षन में जिले में 14 नवम्बर से 20 नम्बर 2025 तक बाल सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया।इस दौरान समस्त थानों में अलग-अलग स्कूल/कॉलेजों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में रैलियाँ,कार्यशालाएँ,गोष्ठियाँ एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये।इसमें बाल शोषण, बाल विवाह,अभिव्यक्ति ऐप,मानव तस्करी,साइबर सुरक्षा,स्कूल सुरक्षा,गुड टचबूबैड टच,बाल श्रम निषेध और बच्चों के वैधानिक अधिकारों की जानकारी दिया गया। बाल सुरक्षा सप्ताह का समापन पुलिस लाईन गरियाबंद में किया गया।इस बीच कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक गोपाल वैष्य, उप पुलिस अधीक्षक मंजूलता राठौर,रक्षित निरीक्षक संनत कुमार ठाकुर के साथ स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम के बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का रंगोली,निबंध,कविता एवं खेल-कूद प्रतियोगिता कराया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र एवं छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को स्व-सुरक्षा एवं संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस एवं संबंधित विभागों को देने के लिए प्रेरित किया गया है।साथ ही बाल हेल्पलाइन 1098,महिला हेल्पलाइन 181,साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा अन्य जरूरी सेवाओं के बारे में बच्चों को बताया गया।

निर्धन युवक को मिला नया जीवन, शुक्ला हेल्थ केयर के चिकित्सक शुभम शुक्ला बने जीवनदाता

बिर्रा(समय दर्शन)। ग्राम नगारीडीह के 22 वर्षीय निर्धन युवक तरुण कुमार मंहत को गंभीर अवस्था में 17 नवंबर 2025 को भाजपा युवा नेता राजू कश्यप (राजकुमार कश्यप) द्वारा शुक्ला हेल्थ केयर, बिर्रा में भर्ती कराया गया। तरुण के माता-पिता का साया बचपन में ही उठ गया था, जिसके बाद उनकी परवरिश उनके मामा-दादा ननकी दाऊ मंहत ने की।

अस्पताल पहुँचते ही चिकित्सक डॉ. शुभम् शुक्ला ने मरीज की गहन जांच की, जिसमें टाइप-1 शुगर तथा शरीर में फैल रहे गंभीर इंफेक्शन का पता चला। स्थिति अत्यंत गंभीर थी और उपचार में थोड़ी भी देरी जानलेवा हो सकती थी। डॉक्टर शुभम शुक्ला ने बिना किसी विलंब के विशेष उपचार प्रारंभ किया। उपचार शुरू होते ही अगले ही दिन से मरीज की स्थिति सुधरने लगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि डॉक्टर शुभम शुक्ला ने मरीज का पूरा उपचार निशुल्क (फ्री) किया, ताकि आर्थिक स्थिति के कारण मरीज की जान पर कोई खतरा न आए।

मरीज तरुण कुमार मंहत ने भावुक होकर कहा कि डॉक्टर शुभम मेरे लिए भगवान हैं, उन्होंने मुझे नई जिंदगी दी है। उनके मामा-दादा ने भी डॉक्टर की सेवा भावना को मानवता की अमूल्य धरोहर बताया और कहा कि ऐसे पुत्र व ऐसे डॉक्टर समाज के लिए प्रेरणा हैं।

डॉ. शुभम शुक्ला, जिन्होंने एमबीबीएस और एमडी की शिक्षा प्राप्त की है, अपने पिता ईश्वर शुक्ला और माता स्व. सीमा शुक्ला (पूर्व जिला पंचायत महिला एवं बाल विकास सभापति) की जनसेवा से प्रेरित होकर ग्रामीण क्षेत्र में सेवा को सर्वोपरि मानते हैं। बड़े शहरों में करियर बनाने के अवसर छोड़कर उन्होंने ग्रामीण जनता की सेवा को अपना जीवन उद्देश्य बनाया है। डॉक्टर शुभम शुक्ला का मानना है कि निर्धनों की सेवा कर पाना ही उनकी शिक्षा और जीवन का सबसे बड़ा उपहार है।

इस मानवतावादी कार्य की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों ने डॉक्टर शुभम शुक्ला की सराहना की और इसे मानवता का अद्भुत उदाहरण बताया। मौके पर मोहन कुमारी, मनोज तिवारी, मणीलाल कश्यप, सरपंच प्रतिनिधि एकादशियां साहू, लच्छनाथ देवांगन, फ्रित साहू, ईश्वर शुक्ला, कमला प्रसाद, आदित्य, राधे केशवानी, कृष्ण कश्यप, जितेंद्र तिवारी, जीवन साहू, नंद कश्यप, संजू साहू, कृष्ण साहू, सरिता सहित शुक्ला हेल्थ केयर का स्टाफ तथा ग्रामीणजन उपस्थित थे।

साँकरा मे नशामुक्ति एवं छात्र सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साँकरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा ए.डी.एन. अंग्रेजी विद्यालय सांकरा में नशा मुक्ति एवं छात्र सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

थाना साँकरा के तत्वावधान में ए.डी.एन. अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सांकरा में नशा मुक्ति, छेड़खानी से बचाव, साइबर सुरक्षा एवं छात्र सुरक्षा विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

थाना प्रभारी राणा सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें.स.ढ्ढ. राजेंद्र प्रसाद भोई, प्रधान आरक्षक प्रेमलता नाग तथा विशेष आरक्षक मनोज डडसेना मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विशेष आरक्षक मनोज डडसेना ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने तंबाकू, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान और उनसे बचने के उपायों पर प्रकाश डाला। साथ ही विद्यार्थियों को छेड़खानी से बचाव, गुड-टचङ्कबैड-टच, साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन ठगी से सावधानी, तथा आत्म-सुरक्षा के अधिकारों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग द्वारा विद्यार्थियों से सवाल-जवाब भी किए गए और सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की चेयरमेन श्रीमती हिमाद्री संजय नायक ने कहा कि नशा मुक्ति और छात्र सुरक्षा से जुड़ी जागरूकता वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सही दिशा प्रदान करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं।

विद्यालय के प्राचार्य धरणीधर ने पुलिस विभाग का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में सुरक्षा और अनुशासन की भावना मजबूत होती है।

पुलिस के प्रयास से युवा पीढ़ी को सुरक्षित दिशा और उज्ज्वल मार्ग की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

शिक्षा विभाग पिथौरा का समीक्षा बैठक जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे की मुय उपस्थिति में संपन्न

पिथौरा (समय दर्शन)। नवंबर को शिक्षा विभाग पिथौरा का समीक्षा बैठक जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे, जिला मिशन समन्वयक रेखराज शर्मा, डीपीसी देवानंद जांगड़े के द्वारा पिथौरा ब्लाक के सभी 42 संकुल के समन्वयक एवं संकुल प्राचार्यो की उपस्थिति में जनपद सभागृह पिथौरा में ली गई।

बैठक में मुख्य रुप से अपार द्वस्त्र, जाति प्रमाण पत्र, 10वीं-12वीं परीक्षा के साथ केंद्रीयकृत परीक्षा, समन्वयक द्वारा सतत मानिटिरिंग, शिक्षकों द्वारा पुरे समय तक ठहराव विषयों पर चर्चा कर शैक्षिक स्तर को ऊपर उठाने हेतु गहनता से बात करते हुए डीएमसी शर्मा ने कहा कि, ये सब मुख्यमंत्री की विशेष प्राथमिकता में है। जिला शिक्षा अधिकारी लहरे ने बताया कि कोर्स पूरा कराकर बच्चों से पाक्षिक परीक्षा लिया जाये , ताकि उनमें परीक्षा का डर दूर हो सके। बैठक का संचालन बी आर सी नरेश पटेल ने किया और आभार प्रदर्शन बीईओ श्रीमति लक्ष्मी डडसेना ने किया।

केरेगांव पुलिस ने अवैध कच्ची महुआ शराब बेच रहे ग्राम सलोनी में दी दबिश

धमतरी (समय दर्शन)। जिले में अवैध शराब कारोबार पर लगाम कसने हेतु एसपी धमतरी द्वारा समस्त थाना/चौकियों को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों का प्रभावी पालन करते हुए थाना केरेगांव की टीम ने एक महत्वपूर्ण कार्यवाही को अंजाम दिया और बड़ी मात्रा में अवैध देशी कच्ची महुआ शराब जब्त की।

थाना केरेगांव पुलिस ने ग्राम सलोनी भाटापारा, यादव समाज भवन के पास स्थित एक मकान में दबिश दी। जहां तीनों आरोपी अवैध रूप से देशी महुआ शराब रखकर बिक्री करते पाए गए। मौके से पुलिस न 09 जार्किन (प्रत्येक 30 लीटर) में कुल 270 लीटर देशी कच्ची महुआ शराब (कीमत लगभग 27,000/- रूपये) 03 मोबाइल फोन कीमत 14,500/- रुपये नगद बिक्री रकम 617/- रुपये कुल 42,117/- रुपये का माल जप्त किया। गिरफ्तारी के पश्चात थाना केरेगांव में अपराध क्रमांक 27/25, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

किरंदल मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया हेतु लगाया गया है शिविर

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। एस आई आर फॉर्म भरने हेतु क्षेत्र में विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों को 4 दिसंबर से पहले फॉर्म जमा करना होगा साथ ही ऑनलाइन माध्यम से स्ट्रक्फॉर्म भरने की आवश्यक जानकारी दी गई। एसआईआर फॉर्म क्यों जरूरी है मतदाता सूची में नाम जोड़ना, पुरानी जानकारी में सुधार/परिवर्तन,पते में बदलाव, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनती है, जिससे चुनाव प्रक्रिया और भी पारदर्शी होती है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर प्रक्रिया देशभर के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही है। प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर बीएलओ और संबंधित अधिकारी मतदाताओं को शिविरों एवं घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से फॉर्म भरने में सहायता कर रहे हैं। शिविर के दौरान बीएलओ गौरीशंकर तिवारी ने स्थानीय नागरिकों को ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन स्ट्रक्फॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना आवश्यक है, ताकि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट ना जाए।यह शिविर क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रहा है।

//न्यायालय नायब तहसीलदार जामगांव आर. तहसील पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

राजस्व मामला ब/121 वर्ष 2025-26 पक्षकार अमृत बाई आ.मंशाराम निवासी ग्राम किकिरमेटा तह.पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण द्वारा ग्राम किकिरमेटा प.ह.नं.49 तहसील पाटन,जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक अमृतबाई आ.मंशाराम निवासी ग्राम किकिरमेटा तह. -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा आवेदक अपने पिता मंशाराम पिता इन्दरमन मृत्यु दिनांक 22/08/1999 को हो जाने से मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 24.11.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर

न्यायालय तहसीलदार जामगांव आर

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

राजस्व मामला क्रमांक 202511100900046 अ/6 वर्ष 2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ किया जाता है कि आवेदक रशीद मोहम्मद पिता पीर मोहम्मद निवासी ग्राम पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 396/9 रकबा 1144 वर्गफुट आवेदक के नाम पर दर्ज होकर ऋण पुस्तिका प्राप्त होने किन्तु ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज नहीं होने से नाम दर्ज किये जाने बाबत आवेदन पेश। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक रसीद मोहम्मद पिता पीर मोहम्मद निवासी ग्राम पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग के द्वारा प्रस्तुत उपरोक्तानुसार अभिलेख दुरूस्ती किये जाने की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति /संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 10.12.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19.11.2025 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला दुर्ग (छ.ग.)

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम	:-	कु.सायबा शेख
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक	:-	25/09/2025
3. संस्था	:-	बालिका गृह राजनांदगांव
4. पता	:-	बल्देव बाग, वार्ड नं. 16 राजनांदगांव (छ.ग.)
5. रंग	:-	सांवली
6. उम्र	:-	12 वर्ष

उक्त बालिका दिनांक 25/09/2025 को बाल कल्याण समिति, दुर्ग के आदेश क्रमांक 345/ बाकस / 25-26 दुर्ग, दिनांक 25/09/2025 से अस्थाई संरक्षण हेतु बालिका गृह राजनांदगांव (छ.ग.) में रखने हेतु आदेशित किया गया है ।

सर्व संबंधित को जो कि बालिका के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला दुर्ग अथवा स्नेह सर्वोदय सेवा संस्था बालिका गृह राजनांदगांव (छ.ग.) मे दर्ज करा सकते हैं । उक्त समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी । यह विज्ञापन मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
जिला - दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र- 0788-2213363, 9907407044

जी- 252604887/1

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

राजस्व मामला क्रमांक 202511100900041 अ/6 वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ किया जाता है कि आवेदिका सरस्वती साहू पति राजू साहू निवासी ग्राम सुभरन नगर अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा ग्राम अमलेश्वर प.ह.नं. 03 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित मेरी सास सुख बाई पति अर्जुन साहू के नाम पर दर्ज भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 567/6 रकबा क्रमश: 0.010 हे. को भूमिस्वामी सुख बाई पति अर्जुन साहू द्वारा अपने जीवनकाल में दिनांक 31.05.2022 को आवेदिका के पक्ष में निष्पादित वसीयतनामा के आधार पर भूमिस्वामी सुख बाई पति अर्जुन साहू का दिनांक 04.08.2025 को मृत्यु हो जाने से आवेदक अपने नाम नामांतरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदिका सरस्वती साहू पति राजू साहू निवासी ग्राम सुभरन नगर अमलेश्वर तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा दर्शित भूमि आवेदक के नाम वसीयतनामा नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 11.12.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 18.11.2025 को जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार पाटन,जिला दुर्ग (छ.ग.)

दिसंबर माह में झलप , भगत देवरी एवम सरायपाली में होगा नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर

बसना(समय दर्शन)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय इकाई छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच एवम श्री भगवान महावीर विकलांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में दिसंबर 2025 में मारवाड़ी युवा मंच की झलप शाखा , भगत देवरी शाखा एवम सरायपाली तथा सरायपाली जागृति शाखा द्वारा दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ऐसे दिव्यांग भाई - बहनों को कृत्रिम हाथ - पैर लगवाना है जो किसी बीमारी या दुर्घटना के कारण अपने हाथ - पैर गंवा चुके है। कृत्रिम अंग (नकली हाथ - पैर) फिट हो जाने से ऐसे दिवांगजनों को जीवन यापन एवम दैनिक कार्यों में सुविधा होगी जिससे उनका जीवन स्तर भी सुधरेगा एवम साथ ही उनका आत्म विश्वास भी मजबूत होगा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय राजकुमार अग्रवाल बसना ने बताया कि, हमारे प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गांधी भाटापारा के कुशल नेतृत्व में हमारे छत्तीसगढ़ प्रांत में इस शिविर का शुभारंभ 14 नवंबर के सूरजपुर शाखा से हुआ है । सूरजपुर , मनेंद्रगढ़ , बिलासपुर , जांजगीर नैला , भाटापारा , रायपुर , झलप , भगत देवरी, सरायपाली , सारंगढ़, खरसिया , रायगढ़ आदि जगहों में नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर होना है। इस कड़ी में हमारे महासमुंद जिले में मारवाड़ी युवा मंच झलप शाखा द्वारा झलप में 12/13 एवम 14 दिसंबर के, मारवाड़ी युवा मंच भगत देवरी शाखा द्वारा भगत देवरी में 16/17/18 दिसंबर के एवम मारवाड़ी युवा मंच सरायपाली , मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा सरायपाली एवम अग्रवाल सभा सरायपाली द्वारा संयुक्त रूप से अग्रवाल धर्मशाला सरायपाली में 20 /21 /22 दिसंबर के नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय राजकुमार अग्रवाल बसना ने बताया की इस कैंप के माध्यम से दिव्यांगजनो को नि:शुल्क कृत्रिम अंग लगाया जाएगा , ये प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित - काट पीट एवम दर्दरहित है , शिविर में किसी पेशेंट को ना कोई इंजेक्शन लगाया जाएगा ना ही किसी तरह की काट - पीट की जाएगी , ना ही उनसे किसी प्रकार का शुल्क लिया जाएगा।

किसी भी कैंप में आने वाले मरीजों को उस कैंप के प्रथम दिवस अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटो कॉपी एवम संभव हो तो विकलांग प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित रहना अनिवार्य रहेगा । श्री अग्रवाल ने आगे बताया की सीमित मात्रा में जरूरतमंदों को नि:शुल्क वैशाखी एवम स्टिक भी प्रदान की जाएगी । विदित हो विगत वर्ष मारवाड़ी युवा मंच बसना शाखा एवम मारवाड़ी युवा मंच पिथोरा शाखा द्वारा भी कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया था जिसमे छेत्र के सैकड़ों मरीज लाभांवित हुए थे।

सी.सी. रोड एवं इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉइंट निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा नगर पालिका अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड, मेहतानगर में विभिन्न स्थानों पर प्रस्तावित सी.सी. रोड एवं इलेक्ट्रिक चार्जिंग पॉइंट निर्माण कार्यों का आज विधिवत भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

निर्मित होने वाले ये विकास कार्य वार्डवासियों के लिए सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन की सुविधा प्रदान करेंगे। साथ ही, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यवस्था को प्रोत्साहित करते हुए इलेक्ट्रिक कचरा कलेक्शन ई-रिक्शा हेतु स्थापित किए जा रहे चार्जिंग पॉइंट आधुनिक नगरीय आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होंगे।

भाटापारा नगर पालिका क्षेत्र में जनसुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता संवर्धन एवं समग्र विकास को गति देने की दिशा में यह पहल एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में जुड़ रही है।

पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा जी ने कहा कि इन विकास कार्यों से स्थानीय निवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और क्षेत्र के आधारभूत ढांचे को और मजबूत बनाने में यह परियोजनाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा जी ने कहा कि शहर को आधुनिक, स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नगर पालिका सतत रूप से कार्यरत है। ये निर्माण कार्य भाटापारा को बेहतर नगरीय सुविधाओं वाले शहर के रूप में विकसित करने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर सभापति गोविंद पटेल पार्षद श्रीमती लैनी अनंत दशरथ साहू पूर्व जिलामहामंत्री राकेश तिवारी जिलाउपाध्यक्ष सुनील यदु मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत धन्नू कुर्रे ब्रिज जांगड़े एवं वार्डवासी मौजूद रहे।

किरंदल मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया हेतु लगाया गया है शिविर

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। एस आई आर फॉर्म भरने हेतु क्षेत्र में विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों को 4 दिसंबर से पहले फॉर्म जमा करना होगा साथ ही ऑनलाइन माध्यम से स्क्क फॉर्म भरने की आवश्यक जानकारी दी गई।

एसआईआर फॉर्म क्यों जरूरी है
मतदाता सूची में नाम जोड़ना,
पुरानी जानकारी में सुधार/परिवर्तन,पते में बदलाव,
मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन
जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और त्रुटिरहित बनती है, जिससे चुनाव प्रक्रिया और भी पारदर्शी होती है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्क्कप्रक्रिया देशभर के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही है। प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर क्क्ह और संबंधित अधिकारी मतदाताओं को शिविरों एवं घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से फॉर्म भरने में सहायता कर रहे हैं।

शिविर के दौरान बीएलओ गौरीशंकर तिवारी ने स्थानीय नागरिकों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन स्क्कफॉर्म भरने की पूरी प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि अंतिम तिथि से पहले आवेदन करना आवश्यक है, ताकि किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट ना जाए।यह शिविर क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में एक प्रभावी पहल सिद्ध हो रहा है।

इस कार्यक्रम में कृतिका देवांगन, सरोज, वेदप्रकाश और दीपू पाल उपस्थित रहे।

24 घण्टे के भीतर डकैती के अपचारी बालक सहित 7 आरोपी गिरफ्तार

थाना छुरा एवं साइबर सेल टीम की संयुक्त कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। डकैती के घटना को अंजाम देने वाले सात आरोपी को पुलिस द्वारा चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 18 नवम्बर को प्रार्थी तुलेष्वर सेन अपने दो दोस्त डिगेश्वर यादव और कलीराम यादव के साथ जतमई-घटारानी घुमने के लिए गये थे।शाम करीबन 4 बजें घटारानी मंदिर दर्शन कर वापस जतमई रोड में आ रहे थे।उसी समय केडिआमा के तलाब से कुछ दुर आगे पर तीन मोटर सायकल में सात लोग सवार होकर उन्हे पीछे से ओवरटेक कर मो0सा0 को रोकवाया मोटर सायकल के चाबी को खिच कर निकाल लिया और अन्य व्यक्तियों के द्वारा गंदी गंदी गाली गलौच कर मारपीट कर तीनो से तीन नग मोबाइल और कुल 4400 रूपये को लूट कर भाग गये।प्रकरण में प्रथम दृष्टिया डकैती का अपराध का घटित करना पाये जाने से आरोपियों के विरूद्ध धारा 296, 115(2),310(2) भा.न्या.सं. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा थाना प्रभारी छुरा एवं सायबर सेल टीम को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देष दिये गये। जिसके परिपालन में थाना छुरा एंव साइबर सेल टीम के द्वारा आरोपियों की पतासाजी के संबंध में मुखबीर सक्रिय किया गया।विवेचना के दौरान मुखबीर द्वारा बताये गये आरोपी संदेही आरोपी सत्यम साहू पिता नंद कुमार साहू उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम बरोण्डा थाना राजिम,टिकु उर्फ टिकेष्वर यादव पिता भगवानी यादव उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम खम्हरियाडीह थाना देवरबीजा जिला बेमेतरा हेमंत साहू उर्फ हिरेष साहू पिता रमेष साहू उम्र 23 वर्ष निवासी बरोण्डा थाना राजिम करन साहू पिता छबिराम साहू उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम नया बस्ती करेलीछोटी थाना मगरलोड जिला धमतरी,योगेष्वर उर्फयोगु निषाद उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम स्कूलपारा बरोण्डा थाना राजिम,राहुल गेंडरे पिता राजा गेंडरे उम्र 26 वर्ष निवासी विधानसभा रायपुर जिला रायपुर एवं विधि से संघर्षरत बालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ करने पर सभी ने बारी-बारी से अपना जुर्म स्वीकर किया।आरोपियों के कब्जे से डकैती के तीन नग मोबाइल को बरामद कर समक्ष गवाहन के जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपियों के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में पेष किया गया।आरोपी योकेष्वर निषाद,राहुल गेंडरे एवं सत्यम साहू अतदन अपराधी है। जिनके विरूद्ध पूर्व में गरियाबंद,धमतरी एवं रायपुर में अलग-अलग धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध है।

ठेठवार यादव समाज का सामाजिक समरसता उड़ीसा यात्रा, पाटन राज से भी शामिल होंगे समाज के लोग

पाटन (समय दर्शन)। यादव ठेठवार समाज प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ के नेतृत्व में चतुर्थ सामाजिक समरसता उड़ीसा यात्रा 22 नवम्बर को सामाजिक ठेठवार भवन रायपुरा से सुबह 05 बजे निकलेगी । इस यात्रा ने शामिल होने पाटन सहित प्रदेश भर के करीब 100 यात्रियों ने कराया पंजीयन। यात्रा का भव्य स्वागत उड़ीसा प्रांत के खरियार रोड में वहां के स्थानीय यादव समाज के सैकड़ों लोगों के द्वारा किया जाएगा। सैकड़ों युवक बाईक रैली निकालेंगे।

समाज प्रमुखों को बग्गी में बैठाकर खरियार रोड से सभा स्थल तरबोड़ तक ले जाया जाएगा। इस दौरान रास्ते भर स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा लोक कला का प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सामाजिक विधायकगण के अलावा नवापारा के स्थानीय विधायक भी शामिल होंगे। यात्रा के अनुशासन प्रभारी पाटन निवास बलराम यादव ने बताया कि यात्रा की तैयारी जोर शोर से किया जा रहा है। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य दूरस्थ अंचलों में निवासरत स्वजातीय जनों से भेट मुलाकात, सामाजिक रीति-रिवाजों, जीवन शैली भौगोलिक स्थिति की जानकारी आपसी संवाद शिक्षा रोजगार ,मार्गदर्शन परस्पर मेल मिलाप व सामाजिक सक्रियता लाना है। पूर्व में बस्तर यात्रा, सरगुजा यात्रा, मध्यप्रदेश यात्रा का सफल आयोजन हो चुका है।समाज में यात्रा को लेकर उत्साह देखते ही बन रहा है। । यह यात्रा दुर्ग पाटन रायपुर महासमुंद बागबाहरा खल्लारी खरियार रोड़ नुआपड़ा से तड़बोड़ उड़ीसा में भव्य सामाजिक सभा का आयोजन किया जाएगा। तड़बोड़ उड़ीसा में यात्रा के स्वागत सभा को लेकर शंकर अहिर अध्यक्ष के नेतृत्व में आवश्यक बैठक रखा गया था।जगह- जगह स्वागत की बनी रुपरेखा। यात्रा के प्रभारी परमानंद यादव प्रदेश अध्यक्ष प्रांतीय युवा प्रकोष्ठ,एवं यात्रा संयोजक नरोत्तम यदु प्रदेश महासचिव ने फोन के माध्यम से आवश्यक दिशा-निर्देश दिये व यात्रा के सह संयोजक पुष्कर यादव प्रदेश कोषाध्यक्ष,डा रविनारायण यदु प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा पंजीयन शुल्क व अन्य आवश्यक तैयारियो में लगे हुए हैं। प्रदेश प्रभारी हरिश यादव द्वारा यात्रा को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन के साथ युवाओ एवं वरिष्ठ जनों से संवाद किया जा रहा है ।

संभागायुक्त महादेव कांवरे ने एसआईआर के कार्यों का किया अवलोकन

महासमुन्द,(समय दर्शन)। संभागायुक्त महादेव कांवरे ने महासमुंद जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न केन्द्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को शामिल करना तथा अपात्र मतदाता को हटाना हैं। सभी बूथ लेवल ऑफिसर सत्यापन कार्य को अत्यंत गंभीरता और निर्देशों के अनुरूप पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में गलत प्रविष्टि स्वीकार्य नहीं की जाएगी। किसी बिंदु पर संदेह होने पर वरिष्ठ अधिकारियों से जानकारी एवं मार्गदर्शन ले लेवें। उन्होंने कहा कि 4 दिसम्बर तक सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन का कार्य पूर्ण किया जाना है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से सुबह-शाम मुनादी करने के निर्देश दिए हैं ताकि शत प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन कार्य समय पूर्व हो सके। सभी बीएलओ को निर्देशानुसार सजगता से पात्र मतदाताओं का गणना पत्रक भरकर संग्रहित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि संकलन किए गए फॉर्म का डिजिटाइजेशन के कार्य में भी तेजी लाएं। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सचिन भूतड़ा, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू एवं तहसीलदार जुगल किशोर पटेल मौजूद थे।

इस दौरान संभागायुक्त महादेव कांवरे ने जिले के मतदाताओं से अपील किया है कि अंतिम तिथि चार दिसंबर के पहले ही अपना गणना फार्म ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से भरकर जल्द से जल्द बीएलओ के पास जमा करें। उल्लेखनीय है कि महासमुंद जिले में चार नवंबर से मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर प्रारंभ हुआ है। इस अभियान के तहत जिले के चार विधानसभा महासमुंद, खल्लारी, बसना और सरायपाली क्षेत्र में 8 लाख 86 हजार 422 पंजीकृत मतदाता हैं। इनमें से करीब 99 प्रतिशत लोगों को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके अलावा अब तक लगभग 27 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण भी किया जा चुका है। जिले में तैनात 1083 बीएलओ घर-घर जाकर प्रपत्र वितरण कर जानकारी एकत्र कर रहे हैं।

रेत माफ्यिों का खुलेआम चल रहा अवैध उत्खनन का कारोबार

बिर्रा (समय दर्शन)। हसदेव नदी गतवा बोरसी तालदेवरी में अवैध रेत खनन करके रेत माफ्यिा के व्दारा खुलेआम रेत का धड़ल्ले से कारोबार किया जा रहा है तथा खनिज विभाग हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए हैं। हसदेव नदी में पानी का जलस्तर कम होने के कारण रेत माफ्यिा ने नदी में माउंटेन चैन से खुलेआम रेत का अवैध कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है तथा रेत माफ्यिा अवैध कारोबार करने वाले फ्ल फूल रहा है वहीं अवैध रेत खनन करने वाले कारोबारी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी जिसके कारण अवैध रेत खनन करने वाले कारोबारी अपने काम को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया था किन्तु खनिज विभाग ने कार्यवाही नहीं करने से एक बार रेत माफ्यिा के हौसला बुलंद दिखाई दे रहा है तथा अपने कारोबार को धड़ल्ले से अंजाम दिया जा रहा है। वहीं खनिज विभाग का रेत माफ्यिा से सेटिंग होने के कारण हर रोज बोरसी से अवैध रेत खनन करके लाखों रूपए कमाने का रेत माफ्यिा ने धंधा बना लिया है जिसके कारण रेत माफ्यिा ने इस कारोबार को अपना कमाई का अच्छा जरिया ढूंढ लिया है तथा रेत माफ्यिा भी दूसरे कारोबार में दिलचस्पी नहीं ले रहा है।आज गतवा बोरसी तालदेवरीमें इतनी बड़ी पैमाने पर रेत खनन किया जा रहा है जिसके कारण रेत माफ्यिा का बल्ले बल्ले हो गया है। वहीं सड़क में हर रोज टेक्टर में रेत का कारोबार करके सड़क में मौत बन करके दौड़ रहे हैं वहीं किसान कृषि कार्य के लिए टेक्टर निकाला जाता है परन्तु किसान अपने टेक्टर को कमाई के चक्कर में गलत काम करने के लिए लगाया जा रहा है। परन्तु टेक्टर में अवैध रेत का कारोबार होने के बावजूद भी टेक्टर पर थोड़ी कार्यवाही किया जाता है जिसके कारण टेक्टर मालिक भी थोडी सी कार्यवाही के लिए डर गायब हो गए हैं तथा किसान भी थोडी चालान जमा करके टेक्टर को छुड़ा लिया जाता है जिसके कारण रेत कारोबार करने वाले टेक्टर मालिक से कानून का भय धीरे धीरे समाप्त होने लगा है जब तक टेक्टर मालिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई नहीं होती तो टेक्टर मालिक का कानून से डर नहीं जाएगा।

रेत की कमाई से लाल हो

हसदेव नदी में गतवा बोरसी तालदेवरी महानदी बंसतपुर मे रेत खनन का कारोबार बैखौफ होकर धड़ल्ले से किया जा रहा है तथा इस रेत माफ्यिा ने नदी में रेत कारोबार को धड़ल्ले से अंजाम दिया जा रहा है जिसके कारण रेत माफ्यिा रेत की कमाई से लाल हो रहे हैं।टेक्टर को गैर कार्य में---- किसान अपने टेक्टर को कृषि कार्य के लिए निकाला जाता है परन्तु किसान ने कमाई के चक्कर में अपने ट्रेक्टर को गैर कार्य में लगाया जा रहा है। जिसके कारण ट्रेक्टर मालिक को किसी का डर नहीं होने के कारण अपने ढ़ंग से३ ढुलाई काम में लगाया जा रहा है।

ट्रेक्टर हाईवा पर बड़ी कार्रवाई

अवैध रेत कारोबार में अपने ट्रेक्टर व हाईवा से रेत लोडिंग करके रेत की कमाई का जरिया ढूंढ लिया है जिसके कारण रेत कारोबार में ट्रेक्टर हाईवा मालिक भी अवैध कारोबार में लाल हो रहे हैं।

संभाग आयुक्त पहुंचे रिसाली, कार्यालय का किया निरीक्षण

रिसाली (समय दर्शन)। संभाग आयुक्त एस एन राठौर शुक्रवार की शाम नगर पालिक निगम रिसाली कार्यालय पहुंचे। उन्होंने कार्यालय का पहले निरीक्षण किया। बाद में कार्यों की समीक्षा की। आयुक्त मोनिका वर्मा ने निकाय के कार्यों को विस्तार से बताते हुए आने वाली समस्याओं की जानकारी दी।

संभाग आयुक्त श्री राठौर आधे घंटे से भी अधिक समय तक कार्यालय में बिताया। आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि समय सीमा में न केवल शिकायतों का निराकरण करे, बल्कि विकास कार्य को नियमों के तहत करे। संभाग आयुक्त ने शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने प्राथमिकता तय करने निर्देश दिए।

संक्षिप्त-खबर

पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने सरकड़ा की महिला सरपंच कीर्तिलता दीवान को स्वच्छता के क्षेत्र में अभिनव कार्य करने पर किया सम्मानित

गरियाबंद (समय दर्शन)। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर राज्य स्वच्छ भारत मिशन द्वारा रायपुर के एक नीजि होटल में पंचायत मंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में,गरियाबंद ज़िले के फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम पंचायत सरकड़ा की महिला सरपंच कीर्तिलता दीवान को स्वच्छता के क्षेत्र में अभिनव कार्य करने पर सम्मानित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उन्होंने अपने गाँव में स्वच्छाग्रही दीदियों के अलावा गाँव में युवाओं का समूह बना कर गाँव को स्वच्छता में एक नई पहचान दिलायी है। इस युवा दल में 20 नौजवान वर्ग के सदस्य प्रति सप्ताह गाँव में भ्रमण कर गाँव में स्वच्छता श्रमदान कर गाँव की स्वच्छता की परिकल्पना को साकार कर रहे है।

तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू 26 नवम्बर को अधिकारियों की बैठक लेंगे

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार साहू 26 नवम्बर को प्रात: 11 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेंगे।श्री साहू उक्त बैठक में कृषि,उद्योग, शिक्षा,श्रम,आदिवासी विकास,महिला एवं बाल विकास विभाग,पंचायत विभाग,उद्यानिकी विभाग, खाद्य सुरक्षा सहित अन्य अधिकारियों की बैठक लेंगे।कलेक्टर बीएस उइके ने जिला स्तरीय अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिये गये है।

पटवारी से ऋ्रह्व प्रमोशन घोटाला मामले में महासमुंद सहित 20 जगहों पर छापामार कार्रवाई

महासमुन्द(समय दर्शन) । एंटी करप्शन ब्यूरो-एसीबी और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो-ईओडब्ल्यू की टीम ने 19 नवम्बर को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर, जगदलपुर, गरियाबंद और महासमुंद शहरों के लगभग 20 स्थानों पर एक साथ छापा मारा। यह कार्रवाई उन अधिकारियों के घरों और कार्यालयों पर की जा रही है, जिन पर पटवारी से राजस्व निरीक्षक प्रमोशन प्रक्रिया में अनियमितता या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए थे।

कुछ अधिकारियों द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन या अनुचित लाभ लेने की शिकायत मिलने पर एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने यह कार्रवाई की है। विभिन्न स्थानों की तलाशी लेकर दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहें है।

विभाग को उम्मीद है कि भविष्य में अब हैरत अंगेज खुलासे हो सकते है ।

गाईडलाईन की दरों में 10 से 100 प्रतिशत बढ़ोतरी अनुचित, अदूरदर्शी निर्णय

रायपुर (समय दर्शन)। राजीव भवन में पत्रकार वार्ता लेकर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि जमीनों के गाईड लाइन दर बढ़ाने का कांग्रेस विरोध करती है, यह सरकार का अदूरदर्शी फैसला है। गाईडलाइन की दर बढ़ने से आम आदमी को परेशानी होगी, लोगों का मकान, दुकान, फैक्ट्री बनाने का खर्च बढ़ जायेगा। भूमि की खरीदी-बिक्री बंद हो जायेगी या कम हो जायेगी, बेरोजगारी बढ़ेगी।

यह प्रदेश के विकास में बाधा पहुंचाने वाला फैसला है। इस फैसले का कांग्रेस पार्टी विरोध करती है।

पूरे देश में ऐसा कहीं नहीं हुआ कि एक साल में जमीन की गाईडलाईन 130 प्रतिशत तक बढ़ा दी गयी हो।

मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, पुणे जैसे एवं अन्य बड़े शहरों में भी जमीन की गाईडलाईन की दर एक बार में 10 से 15 प्रतिशत ही बढ़ाई जाने की परंपरा रही है।

सरकार पहले भूमि के गाईडलाईन दरों में कांग्रेस सरकार के समय दिये जाने वाले 30 प्रतिशत छूट को समाप्त कर दिया। अब अचानक से जमीनों की सरकारी कीमत 10 से 100 प्रतिशत बढ़ा दिया, मतलब छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद भूमि की सरकारी कीमत 40 से 130 प्रतिशत बढ़ गयी।

पिछले हफ्ते ही सरकार ने निवेश क्षेत्र में कृषि भूमि की रेट की गणना में परिवर्तन किया, यदि एक किसान को एक एकड़ जमीन बेचना है तो शुरूआत के 15 हजार वर्गफीट तक वर्गफीट के हिसाब से स्टांप ड्यूटी देना होगा तथा उसके बाद की जमीन पर हेक्टेयर के दर से स्टांप ड्यूटी देनी होगी। इससे राजधानी के आसपास कृषि जमीने खरीदना महंगा होगा, किसानों की जमीनें बिकना बंद हो जायेगी।

सरकार ने पहले ही 5 डिसमिल से कम जमीनों की रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके कारण गरीब आदमी मकान नहीं बना पा रहा, किसी के पास सिर्फ1000 या 2000 वर्ग फीट जमीन है तो वह उसमें से आधा नहीं बेच सकता।

ऐसा लगता है सरकार के फैसले जानबूझकर जनता को विशेषकर किसानों गरीबों और रियल स्टेट से जुड़े हुये लोगों को परेशान करने के लिये, लिये गये है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26